सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा में शामिल हुए आप के बड़े चेहरे, राघव चड्ढा ... पेज: 6

एक समय खुद को बेहद अकेला महसुस करने ... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 24 | शनिवार 25 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

आज भारत एक आधुनिक, प्रगतिशील और तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्था है

–होसबोले ने अमेरिका में आरएसएस को लेकर फैली गलतफहमियों का किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दत्तात्रेय होसबोले ने अमेरिका में आरएसएस को लेकर फैली गलतफहमियों का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि भारत अब एक टेक हब बन चुका है। इसका परिणाम है कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। एक कार्यक्रम में होसबोले ने कहा कि अमेरिका और पश्चिमी देशों में भारत की एक पुरानी छवि बनी हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह धारणा पूरी तरह गलत है। आज भारत एक आधुनिक, प्रगतिशील और तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्था है। होसबोले ने कहा कि आरएसएस का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना और राष्ट्र को एकजुट बनाए रखना है। संगठन की एक्टिविटी जमीनी स्तर पर समाज को मजबूत करने और लोगों को जोड़ने का काम कर रही हैं।

होसबोले ने कहा कि आरएसएस अमेरिका के श?वेत वर्चस्ववादी संगठन 'कु क्लक्स क्लान' का भारतीय संस्करण नहीं है। आरएसएस एक स्वैच्छिक जन आंदोलन है, जो भारत की प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों से प्रेरित है। इसका मुख्य उद्देश्य अच्छा चरित्र, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी वाले स्वयंसेवक तैयार करना है। उन्होंने बताया कि आरएसएस देशभर में रोजाना और सासाहिक शाखाओं का आयोजन करता है। इन शाखाओं के जरिए स्वयंसेवकों में राष्ट्रहित, सामाजिक एकता और सेवा भावना विकसित की जाती है।

होसबोले ने कहा कि शाखाओं का उद्देश्य केवल वैचारिक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि 'मानव सामाजिक पूंजी' का निर्माण करना है। आरएसएस सरकार्यवाह ने यह भी कहा कि संगठन हिंदू पहचान और भारतीय संस्कृति को मजबूत करने के साथ ही पूरे समाज के विकास पर काम करता है। उन्होंने अल्पसंख्यकों और हिंदू पहचान को लेकर पश्चिमी दुनिया में फैली भ्रांतियों को भी दूर करने की कोशिश की। यह कार्यक्रम वाल्टर रसेल मीड के साथ एक सत्र में हुआ, जिसमें होसबोले ने आरएसएस के जमीनी कार्यों और राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि आरएसएस के स्वयंसेवक आपदा के दौरान राहत और बचाव के कामों में आगे रहते हैं। बाढ़, भूकंप या अन्य संकट के समय संगठन के कार्यकर्ता बिना किसी भेदभाव के लोगों की मदद करते हैं। इसके अलावा स्वयंसेवकों ने देशभर में करीब 40 सिविल इंस्टीट्यूशन बनाए हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक डेवलपमेंट के लिए बेहतर काम कर रहे हैं।

उत्तराखंड में तेंदुओं का आतंक, खेत में काम कर रही महिला पर हमला गई जान

-घटना से गुस्साए लोगों ने मजिस्ट्रेट और डीएफओ का घेराव कर किया हंगामा

पौड़ी(एजेंसी)। उत्तराखंड में वन्यजीवों के हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को नैनीताल के ज्योली गांव में महिला की मौत के दूसरे दिन पौड़ी में दो गुलदारों (तेंदुओं) ने हमला कर बुजुर्ग महिला को मौत के घाट उतार दिया। हमला सुबह करीब साढ़े 8 बजे उस समय हुआ जब वह खेत में घास काट रही थीं। घटना से गुस्साए लोगों ने मौके पर पहुंचे संयुक्त मजिस्ट्रेट और प्रभारी डीएफओ गढ़वाल का घेराव कर हंगामा कर दिया। बाद में वन विभाग ने गुलदार को आदमखोर घोषित करने के साथ ही मौके पर 20 सदस्यीय वन कर्मियों की टीम और मशहूर शिकारी को तैनात कर दिया है। प्रदेश में वन्यजीवों के हमले में इस साल अब तक यह 23वीं मौत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना ग्राम पंचायत बुढ़ाकोट स्थित बमठी गांव की है। 70 साल सीता देवी खंडूड़ी पर पहले गुलदार ने हमला किया। दराती से वार कर जैसे ही उन्होंने बचने का प्रयास किया, अचानक दूसरा गुलदार भी झपट पड़ा। शोर सुनकर ग्रामीण वहां पहुंचे, लेकिन तब तक गुलदार सीता देवी को झाड़ियों के अंदर ले गया। ग्रामीणों के काफी शोर मचाने पर दोनों गुलदार जंगल में भाग गए। ग्रामीणों ने मौके पर जाकर देखा तो तब तक महिला की मौत हो चुकी थी।

भीषण गर्मी के कारण 18 दिन में इस राज्य के लोग गटक गए अरबों रुपये की बीयर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। इससे यहां पेय पदार्थों की बिक्री में इजाफा हुआ है। लेकिन, गर्मी भगाने को कर्नाटक के लोग जिस रफ्तार से बीयर पी रहे हैं, उस रफ्तार ने सभी को चौंका दिया है। इस रफ्तार की वजह से राज्य में बीयर की बिक्री के सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए हैं। महज 18 दिनों के भीतर ही लोग अरबों रुपये की बीयर पी गए हैं। कर्नाटक में इस साल बीयर की मांग में 30 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जैसे-जैसे गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, बीयर की दुकानों पर कतारें लंबी हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि यह क्रेज सिर्फ बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, राज्य के ग्रामीण इलाकों में भी बीयर की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। पिछले साल की तुलना में इस साल बीयर की बिक्री हैरान करने वाली है। इस साल अप्रैल के पहले 18 दिनों (1-18 अप्रैल) में 568.59 करोड़ की बीयर बिकी। जबकि पिछले साल इसी अवधि में 463.42 करोड़ की बियर बिकी। बीयर की बोतलों की गिनती के मुताबिक इस साल महज 18 दिनों में 28.35 लाख केस बीयर बेची जा चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 21.77 लाख केस था। यानी इस साल लोगों ने पिछले साल के मुकाबले 6.58 लाख केस ज्यादा खाली कर दिए हैं। कर्नाटक सरकार और आबकारी विभाग की झोली में इस साल 105.17 करोड़ ज्यादा आए है।

महिला विरोधी बयान पर घिरे पप्पू यादव ने मांगी माफी

पटना (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजनीति में महिलाओं के मुद्दे पर दिए गए अपने हालिया विवादास्पद बयान के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा था, 90 प्रतिशत महिलाएं किसी नेता के कमरे में जाए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं। पूर्णिया सांसद के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कांग्रेस समर्थित निर्दलीय सांसद के बयान की एनडीए नेताओं और बिहार राज्य महिला आयोग ने निंदा की है। इसके बाद बिहार राज्य के कई हिस्सों में सांसद यादव से माफी मांगने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन और रैलियां भी आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि अगर मेरे बयान से राजनीति में शामिल महिलाओं को ठेस पहुंची है, तब मैं उनसे माफी मांगता हूं। लेकिन यह माफी बहनों और बेटियों से है, न कि राजनेताओं से मांगी है। सांसद यादव ने कहा कि उनकी लड़ाई इसतरह के 'गंदे राजनेताओं' के खिलाफ है जिनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के दृश्य प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति में शामिल महिलाओं पर गिद्धों की नजर नहीं पड़ने दूंगा। यादव ने विवाद के दौरान एनडीए नेताओं द्वारा उनकी पत्नी और बेटी का जिक्र करने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैंने किसी की मां या बेटी को गाली नहीं दी, फिर भी मेरी पत्नी और बेटी के बारे में उन लोगों ने टिप्पणियां कीं जिन्हें मैं अपनी बेटियों की तरह मानता हूं और जिनके पिता साथी सांसद हैं।

ईरानी सेना के कब्जे में भारतीय जहाज, श्रीगंगानगर के युवक का 20 दिन से पता नहीं

श्रीगंगानगर (एजेंसी)। राजस्थान के श्रीगंगानगर की पॉश कॉलोनी में इन दिनों सन्नाटा पसरा हुआ है। दरअसल, कॉलोनी निवासी मर्चेंट नेवी के सेकंड ऑफिसर संजय माहर (38) उस कंटेनर शिप पर सवार हैं, जिसे लेकर सूचना मिल रही है कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने होर्मुज स्ट्रेट में रोककर अपने कब्जे में ले लिया है। संजय के भाई सुभाष माहर ने बताया कि लाइबेरिया के झंडे वाला यह जहाज, जिसका नाम 'एपामिनोडेस' है, दुबई से रवाना होकर मुंद्रा पोर्ट की ओर आ रहा था। लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलने के कारण जहाज को रोकना पड़ा। तभी ईरानी सेना ने जहाज की घेराबंदी कर ली। परिजनों के अनुसार, करीब 30 घंटे पहले जब जहाज ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, तब ईरान की ओर से फायरिंग की गई। गोलियों की आवाज सुनते ही संजय सहित सभी क्रू मेंबर्स जहाज के भीतर सुरक्षित केबिनों में छिप गए। संजय ने संपर्क टूटने से पहले एक वीडियो भी भेजा था, जिसमें जहाज के अंदर का तनावपूर्ण माहौल साफ दिख रहा है। जहाज पर कुल 21 क्रू मेंबर सवार हैं, जिसमें भारत के अलावा फिलीपींस, यूक्रेन और श्रीलंका के नागरिक शामिल हैं। फिलहाल इलाके में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे संजय का अपने परिवार से संपर्क पूरी तरह कट गया है। संजय शादीशुदा हैं और उनके छोटे बच्चे हैं, जो अपने पिता की सलामती की दुआ कर रहे हैं। इस संकट पर स्थानीय विधायक जयदीप बिहाणी ने मामले की गंभीरता को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है। विधायक ने भारत सरकार से अपील की है कि ईरान सरकार के साथ कूटनीतिक संवाद स्थापित कर सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाए।

आर्थिक संकट से जूझ रहे मालदीव के लिए भारत ने की मदद, 30 अरब की पहली किश्त जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संकट की घड़ी में भारत ने एक बार फिर पड़ोसी प्रथम की नीति को दोहराते हुए मालदीव को बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान की है। गंभीर आर्थिक तंगी और विदेशी मुद्रा भंडार की कमी का सामना कर रहे मालदीव को राहत देने के लिए भारत सरकार ने 30 अरब रुपये की पहली किश्त जारी करने को मंजूरी दे दी है। यह महत्वपूर्ण वित्तीय मदद भारतीय रिजर्व बैंक और मालदीव सरकार के बीच हुए सार्क करेंसी स्वैप फ्रेमवर्क के तहत दी जा रही है। माले स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस कदम की पुष्टि करते हुए कहा है कि यह सहायता मालदीव की वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने और वहां की अर्थव्यवस्था को तत्काल सहारा देने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस सहायता की पृष्ठभूमि अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान तैयार हुई थी। उसी दौरे पर दोनों देशों के बीच करेंसी स्वैप समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। मालदीव पहले भी इसी फ्रेमवर्क के तहत लगभग 400 मिलियन डॉलर की राशि का उपयोग अपनी जरूरतों के लिए कर चुका है। वर्तमान में मालदीव की अर्थव्यवस्था कई मोर्चों पर चुनौतियों से घिरी हुई है। विदेशी मुद्रा भंडार के तेजी से घटने और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कर्ज के बोझ के कारण देश के सामने भुगतान संतुलन का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में भारत द्वारा दी गई यह किश्त न केवल तात्कालिक राहत प्रदान करेगी, बल्कि मुइज्जु सरकार को अपनी भविष्य की आर्थिक योजनाओं को व्यवस्थित करने का समय भी देगी। भारत लंबे समय से मालदीव के लिए एक भरोसेमंद और फर्स्ट रिस्पॉन्डर साझेदार रहा है। साल 2012 में सार्क करेंसी स्वैप फ्रेमवर्क की शुरुआत के बाद से भारत अब तक मालदीव को 1.1 अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय सहायता मुहैया करा चुका है। इससे पहले भारत ने मालदीव के अनुरोध पर 100 मिलियन डॉलर के ट्रेजरी बिल्स को भी रोलओवर किया था, जिससे वहां की सरकार पर से तत्काल वित्तीय दबाव कम हुआ था।

बंपर वोटिंग पर केजरीवाल का तंज, मोदी जी की एसआईआर प्रक्रिया उन्हीं के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ राजनीतिक प्रतिक्रिया पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में रिकॉर्ड मतदान के बाद मोदी जी की एसआईआर प्रक्रिया उन्हीं के खिलाफ जा रही है। केजरीवाल ने पोस्ट कर लिखा कि बंगाल में यह बात सामने आ रही है कि लोग एसआईआर के खिलाफ मजबूती से वोट डाल रहे हैं।

उनकी यह टिप्पणी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा यह घोषणा करने के कुछ ही समय बाद आई कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान हुआ है, क्योंकि मतदान शाम 6 बजे समास हुआ। मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत रहा है। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बंगाल में प्रथम चरण में तमिलनाडु के 84.80 प्रतिशत की तुलना में 91.91 प्रतिशत का उल्लेखनीय रूप से उच्च मतदान दर्ज किया गया। उच्च मतदान सभी निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दिखाता है। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जिसमें दक्षिण दिनाजपुर में सबसे अधिक 94.85 प्रतिशत, उसके बाद कूच बिहार में 94.54 प्रतिशत, बीरभूम में 93.70 प्रतिशत, जलपाईगुड़ी में 93.23 प्रतिशत और मुर्शिदाबाद में 92.93 प्रतिशत मतदान हुआ। सभी प्रमुख क्षेत्रों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ।

ताजी हवा का आनंद लेने नहीं... शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने दिल्ली आया : शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने अपने हालिया नई दिल्ली दौरे को लेकर स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल ÷ताजी हवा का आनंद लेना÷ नहीं, बल्कि शीर्ष कांग्रेस नेताओं से मुलाकात करना था। राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर चल रहे असंतोष के बीच उनकी यात्रा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि, उन्होंने यह बताने से इंकार किया कि उन्होंने दिल्ली में कांग्रेस के किन-किन नेताओं से मुलाकात की। डिप्टी सीएम डीके ने कहा कि वह पार्टी के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं और विभिन्न राज्यों में चुनाव प्रचार के बाद वहां के हालात की जानकारी पार्टी नेतृत्व को देना उनका कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि उन्होंने तमिलनाडु, केरल और असम में चुनाव प्रचार किया था और अब उन अनुभवों को शीर्ष नेताओं से साझा करना जरूरी है। साथ ही, कर्नाटक में चुनाव प्रबंधन उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है, जिसे वे पूरी गंभीरता से निभाएंगे। कर्नाटक राज्य में संभावित राजनीतिक बदलावों और मंत्रिमंडल फेरबदल से जुड़े सवालों पर उन्होंने कोई टिप्पणी करने से इंकार किया। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए इस तरह के मुद्दों पर सार्वजनिक चर्चा करना उचित नहीं है। मुस्लिम समुदाय में कथित असंतोष और उससे जुड़ी बैठकों पर उन्होंने कहा कि पार्टी स्तर पर कुछ जानकारी मिली है और सभी को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री के करीबी मंत्रियों की बैठकों की खबरों से उन्होंने अनभिज्ञता जताकर कहा कि उन्हें नहीं पता कि कौन किसके करीब है। वहीं, दिल्ली की संभावित आगे की यात्राओं पर उन्होंने ÷इंतजार और देखिए÷ का रुख अपनाया। दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों से बेंगलुरु से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की योजना की बनाई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें मुलाकात के लिए समय दिया है। मुस्लिम नेताओं के निलंबन के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को निलंबित नहीं किया गया, बल्कि संबंधित नेताओं ने स्वयं इस्तीफा दिया है।

यूपी में अगले तीन दिन और भीषण पड़ेगी गर्मी, 32 जिलों को मौसम विभाग ने घोषित किया रेड अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। सूबे में तापमान लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। राजधानी लखनऊ से लेकर बुंदेलखंड और पूर्वांचल तक आसमान से आग बरस रही है। स्थिति यह है कि दिन के साथ रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही। दिन के समय तो सड़कों पर सन्नाटा छाया रहता है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में हालात और गंभीर होने की चेतावनी दी है, हालांकि 26 अप्रैल के बाद कुछ राहत के संकेत भी दिए गए हैं। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिससे रात में भी गर्मी का असर बना रहा। उधर, पूरे उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप चरम पर है।

चुनाव आयोग पर भड़का हाईकोर्ट कहा- पश्चिम बंगाल में आप सत्ता का दुरुपयोग कर रहे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता को लेकर राजनैतिक दलों में भारी घमासान मचा हुआ है। इसी घमासान के बीच गुरुवार को पहले चरण का मतदान रिकॉर्ड वोटिंग के साथ संपन्न हुआ। तभी चुनाव आयोग की चिंता बढ़ाने वाली कलकत्ता हाईकोर्ट की एक टिप्पणी आ गई। हाईकोर्ट ने वोटिंग के दिन मोटरसाइकिलों पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। जस्टिस कृष्णा राव ने आयोग से कहा, आप अपनी सत्ता का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इस तरह से नागरिकों को परेशान किया जा रहा है। ये हाईकोर्ट की काफी गंभीर टिप्पणी मानी जा रही है।

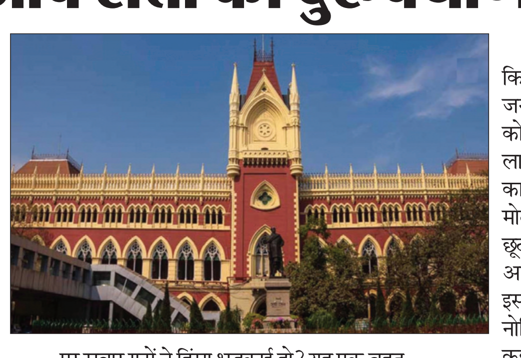

जस्टिस राव ने आयोग से आगे कहा, आम नागरिकों के अधिकारों को इस तरह से कम नहीं किया जा सकता है। अगर यही तर्क है तो आपको कारों पर भी रोक लगा देनी चाहिए। आखिर लोग कारों का इस्तेमाल बम और बंदूकें ले जाने और दंगा भड़काने के लिए भी तो कर सकते हैं! उन्होंने आगे कहा, कोर्ट को दिखाएं कि पिछले पांच सालों में ऐसी कितनी घटनाएं हुई हैं जिनमें मोटरसाइकिल पर सवार गुटों ने हिंसा भड़काई हो? यह एक बहुत बड़ा कदम है। असल में चुनाव से दो दिन पहले ही सब कुछ ठप कर देता है। मैं फिर दोहराता हूं कि यह सब सिर्फ अधिकारियों की नाकामियों को छिपाने के लिए किया जा रहा है। जज की इन टिप्पणियों के बाद चुनाव आयोग कोर्ट में एक हलफनामा पेश करेगा। इस हलफनामे में आयोग चुनाव से दो दिन पहले ये पाबंदियां लगाने के पीछे का कारण बताएगा। आयोग कोर्ट को उन पिछली घटनाओं के बारे में भी बता सकता है जिनमें मोटरसाइकिलों का गलत इस्तेमाल हुआ था।

चुनाव आयोग ने यह भी साफ किया कि ये पाबंदियां इमरजेंसी मेडिकल जरूरतें, परिवार से जुड़े मामले या बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने के मामलों में लागू नहीं होंगी। जो लोग सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए मोटरसाइकिल से जा रहे हैं तो उन्हें भी छूट दी गई है। ये नियम रेपिडो जैसी ऐप-आधारित सेवाओं पर लागू नहीं होंगे। इसके पहले आयोग ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसमें कहा गया कि चुनाव से दो दिन पहले से कोई भी मोटरसाइकिल रैली निकालने की इजाजत नहीं होगी। नोटिफिकेशन में साफ किया गया कि चुनाव से पहले के दो दिनों में सुबह 6ः00 बजे से शाम 6ः00 बजे तक मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है; लेकिन इस दौरान पीछे किसी सवारी को बिठाना पूरी तरह से मना होगा। चुनाव वाले दिन भी सुबह 6ः00 बजे से शाम 6ः00 बजे तक मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है, लेकिन यह छूट तभी मिलेगी जब चालक वोट डालने या किसी इमरजेंसी काम से जा रहा हो।

जयपुर विधानसभा सचिवालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, परिसर कराया खाली

–शहर में आईपीएल मैच को लेकर चल रही थी मार्कड्रिल, सुरक्षा एजेंसियों में हलचल

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब विधानसभा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी ऐसे समय पर मिली है जब शहर में आईपीएल मैच को लेकर पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। जानकारी के मुताबिक विधानसभा सचिवालय को संदिग्ध मैसेज के जरिए बम धमाके की सूचना मिली थी, जैसे ही यह सूचना अधिकारियों तक पहुंची, तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। सचिवालय परिसर में मौजूद कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाला गया और पूरे इलाके को खाली करा दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूचना मिलते ही एटीएस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे विधानसभा परिसर को अपने घेरे में लेकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। हर आने-जाने वाले और संदिग्ध वस्तु की बारीकी से जांच की गई। बताया जा रहा है कि उसी समय सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल मैच से पहले सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल चल रही थी। इसी दौरान अचानक बम की सूचना मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हलचल बढ़ गई और मॉक ड्रिल को बीच में ही रोककर वास्तविक अलर्ट मोड में काम शुरू कर दिया गया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक धमकी को गंभीरता से लेते हुए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। शहर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, खासकर उन स्थानों पर जहां आईपीएल मैच को लेकर भीड़ जुटने की संभावना है। फिलहाल विधानसभा परिसर में तलाशी अभियान जारी है और अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद होने की सूचना नहीं है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि धमकी भरा संदेश कहां से भेजा गया और इसके पीछे किसका हाथ हो सकता है।

अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की धमकियों को हल्के में नहीं लिया जा सकता, इसलिए पूरी सतर्कता के साथ जांच की जा रही है, साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस घटना के बाद जयपुर में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

केरल में गर्मी के चलते सीएम ने किया सेल्फ-लॉकडाउन का ऐलान

–सुबह 11 से 3 बजे के बीच बाहर न निकलें, भरपूर मात्रा में साफ पानी पिएं

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के कई इलामों में लू की चेतावनी के मद्देनजर सीएम पिनाराई विजयन ने सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच सेल्फ-लॉकडाउन यानी खुद के द्वारा लगाया गया लॉकडाउन का आह्वान किया है। आईएमडी ने आधिकारिक तौर पर पालक्काड, कोल्लम और त्रिशूर जिलों में लू की चेतावनी जारी की है, क्योंकि राज्य में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। वातावरण में उच्च आर्द्रता के कारण अन्य जिलों में भी गर्मी का प्रकोप बहुत ज्यादा है। ऐसी स्थिति में हम सभी को अत्यंत सतर्क रहने की जरुरी है। बढ़ती गर्मी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं और यहां तक कि मृत्यु का कारण भी बन सकती है। इसलिए, सभी को निम्नलिखित सुरक्षा निर्देशों का कड़ाई से पालन करना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच बाहर न निकलें। इस समय के दौरान सीधे धूप के संपर्क में आने से बचें। इसे कोविड काल की तरह ही सेल्फ-लॉकडाउन का समय मानें और अनावश्यक यात्रा और बाहरी कामों से बचें। घर के अंदर और कार्यस्थल पर हवा के उचित वेंटिलेशन को सुनिश्चित करें। प्यास न लगने पर भी भरपूर मात्रा में साफ पानी पिएं। ऐसे पेय पदार्थों से बचें जिनसे शरीर में पानी की कमी होती हो। पौष्टिक भोजन करना सुनिश्चित करें।

गर्मी के बचने के लिए हल्के रंग के ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय छाता, जूते-चप्पल और धूप का चश्मा जरुर पहनें। बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, त्वचा रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग और एल्बिनिज्म से पीड़ित लोगों को इस समय बाहर निकलने से बचना चाहिए। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच खुले स्थानों पर सार्वजनिक सभाओं और खेल आयोजनों की अनुमति नहीं है। त्योहारों में दिन के समय होने वाली परेड, हाथियों की परेड और आतिशबाजी से बचना चाहिए या उनका समय बदलना चाहिए। आग लगने की आशंका के प्रति विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए।

पालतू जानवरों और आवारा पशुओं के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्हें दिन के समय चरने के लिए बाहर न जाने दें। चूंकि अत्यधिक गर्मी में जानवर बेचैन हो सकते हैं, इसलिए जंगली जानवरों और आवारा कुत्तों के हमले की आशंका के प्रति भी सावधानी बरती जानी चाहिए। श्रम विभाग ने दिन के समय बाहरी कामों से बचने के लिए काम के घंटों को पुनर्व्यवस्थित किया है। इसका कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। दिन के समय होने वाले रोजगार सुरक्षा संबंधी कार्यों को पूरी तरह से रोक दिया गया है।

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने और उनकी वर्दी में ढील देने के निर्देश जारी किए गए हैं। लू से निपटने के लिए अस्पतालों और एम्बुलेंस में, जिनमें

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल हैं, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है। स्थानीय निकायों, कुटुम्बश्री, स्वयंसेवी संगठनों और व्यापारियों को यात्रियों और आम जनता के लिए पीने का पानी और छाया उपलब्ध कराने के लिए आगे आना चाहिए। यदि आपको थकान महसूस हो या लू के लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें। यदि आप किसी अन्य व्यक्ति को परेशानी में देखें, तो उसे तुरंत छाया में ले जाएं, उसके शरीर को ठंडा करने का प्रयास करें और चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराएं।

सुरक्षित जीवन की दिशा में: मलेरिया मुक्त भविष्य का संकल्प

सुनील कुमार महला

मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।

प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य मलेरिया जैसी जानलेवा, घातक और व्यापक संक्रामक बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना, इसके रोकथाम के उपायों को प्रोत्साहित करना, समय पर जाँच एवं उपचार की व्यवस्था पर बल देना तथा वैश्विक स्तर पर इसके उन्मूलन के प्रयासों को गति देना है।

मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।पाठक जानते होंगे कि हर मच्छर मलेरिया नहीं फैलाता।मलेरिया शब्द की यदि हम यहां पर बात करें तो यह शब्द इतालवी(इटली) भाषा के माला एरिया से बना है, जिसका अर्थ खराब हवा होता है, क्योंकि प्राचीन काल में लोग मानते थे कि यह बीमारी गंदी या दूषित हवा से फैलती है, जबकि बाद में विज्ञान ने सिद्ध किया कि इसका वास्तविक कारण मच्छर हैं।

पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि मलेरिया कोई नया नहीं बल्कि, यह एक अत्यंत प्राचीन रोग है, जिसका उल्लेख प्राचीन मिस्त्र, भारत तथा चीन के प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। संक्रमित मच्छर के काटने पर प्लाज्मोडियम परजीवी रक्त में प्रवेश कर लाल रक्त कोशिकाओं में बहुगुणित होने लगता है, जिससे रक्तहीनता (एनीमिया), कमजोरी और अन्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। बहरहाल, इसके प्रमुख लक्षणों की यदि हम यहां पर बात करें तो इसके प्रमुख लक्षणों में क्रमशः तेज बुखार, ठंड लगना, कंपकंपी, सिरदर्द, मतली, उल्टी, अत्यधिक पसीना आना, चक्कर आना, साँस फूलना, तेज नाड़ी, थकान, कमजोरी तथा जुकाम जैसी अनुभूति शामिल हैं। गंभीर अवस्था में रोगी मूर्च्छा तक में जा सकता है और व्यक्ति की मृत्यु तक भी हो सकती है। कुछ लोगों में इसके लक्षण देर से प्रकट होते हैं, किंतु छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों में यह शीघ्र और अधिक घातक रूप ले सकता है। रोगी के ठीक होने के बाद भी यह रोग पुनः हो सकता है। वर्षा ऋतु में या वर्षा के बाद जब घरों, गलियों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता है, तब मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है और संक्रमण का प्रसार बढ़ जाता है। यही कारण है कि स्वच्छता और जलभराव रोकना मलेरिया नियंत्रण का अत्यंत महत्त्वपूर्ण उपाय माना जाता है। यह रोग मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया, अमेरिका तथा अन्य उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ की जलवायु मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल होती है। मलेरिया गरीब क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं, सुरक्षित आवास और रोकथाम के संसाधनों की कमी होती है।

बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि वर्ष 2007 में विश्व स्वास्थ्य सभा के 60वें सत्र में इसे मनाने का निर्णय लिया गया था और पहला आधिकारिक विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल 2008 को मनाया गया था।हर साल इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 की थीम-मलेरिया का अंत हमसे होगाः पुनर्निवेश करें, नए तरीके सोचें और प्रयासों को फिर से प्रज्वलित करें। रखी गई थी ,जिसका मतलब है कि मलेरिया का अंत हमारे अपने प्रयासों से ही संभव है। सरल शब्दों में कहें तो मलेरिया नियंत्रण और अनुसंधान में फिर से अधिक संसाधन, धन और ध्यान लगाना होगा,इस पर नियंत्रण के लिए हमें नए सिरे से सोचना होगा। हमें पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ नए, प्रभावी और आधुनिक उपाय अपनाने होंगे तथा मलेरिया उन्मूलन के वैश्विक प्रयासों में नई ऊर्जा और उत्साह पैदा करना होगा। वहीं इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इसकी थीम-मलेरिया समाप्त करने के लिए प्रेरितः अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा। रखी गई है। वास्तव में इसका सीधा सा संदेश यह है कि अवसर और साधन मौजूद हैं, इसलिए अब देरी नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का समय है।

हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो वैश्विक स्तर पर मलेरिया के मामले लगभग 28.2 करोड़ तक पहुँच चुके हैं और लगभग 6.10 लाख लोगों की मृत्यु हुई है, जिनमें अधिकांश पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चे हैं। पूर्व की विश्व मलेरिया रिपोर्टों में यह तथ्य भी सामने आया कि कुछ वर्षों में हर 50 सेकंड में एक व्यक्ति की मृत्यु मलेरिया के कारण हो रही थी। वर्ष 2020 में विश्व स्तर पर 6,27,000 लोगों की मृत्यु मलेरिया के कारण दर्ज की गई थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक थी।इन सभी के बीच राहत की बात यह है कि दुनिया के 47 देश मलेरिया मुक्त घोषित किए जा चुके हैं और चीन को भी मलेरिया मुक्त देश का दर्जा प्राप्त हुआ है। वहीं पर, भारत की स्थिति पिछले वर्षों में उत्साहजनक रही है। देश ने एक दशक में मलेरिया मामलों में लगभग 80 प्रतिशत कमी दर्ज की है,यह काबिले-तारीफ है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत सरकार ने 2027 तक मलेरिया मुक्त भारत और 2030 तक पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। अतीत में ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्य मलेरिया से अधिक प्रभावित रहे, विशेषकर दूरस्थ ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरूआत में भारत की लगभग एक चौथाई आबादी मलेरिया से प्रभावित बताई जाती है। 1935 के एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत को मलेरिया के कारण प्रतिवर्ष भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। भारत सरकार ने 1953 में राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम आरंभ किया, जो अत्यंत सफल रहा, और 1958 में राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। निरंतर सरकारी प्रयासों, चिकित्सा सेवाओं, दवाओं और जागरूकता अभियानों से रोगियों की संख्या में भारी कमी आई, किंतु अभी भी पूर्ण सफलता शेष है। मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग, घर के आसपास पानी जमा न होने देना, जल टंकियों को ढककर रखना, खड़े पानी को सुखाना या बहाना, पानी की सतह पर तेल डालना जिससे लार्वा साँस न ले सके, नियमित साफ-सफाई, पूरी बाँह के कपड़े पहनना, समय पर जाँच, डॉक्टर की सलाह से दवा लेना तथा कीटनाशकों का छिड़काव करना अत्यंत आवश्यक है।

बहुत कम लोग ही यह बात जानते होंगे कि सेनाओं और सुरक्षा बलों में मलेरिया रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जाता है, क्योंकि उनकी तैनाती प्रायः जंगलों, सीमावर्ती क्षेत्रों और मच्छर-बहुल स्थानों पर होती है, इसलिए मच्छरदानी का उपयोग वहाँ अनिवार्य माना जाता है। मलेरिया का उपचार कुनैन तथा आर्टिमीसिनिन जैसी दवाओं से किया जाता है। कुनैन सिनकोना नामक वृक्ष से प्राप्त होती है। आरटीएस ,एसऔर आर-21 ऐसे टीके हैं जिन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंजूरी दी है और जिनसे विशेषकर बच्चों की सुरक्षा में सहायता मिली है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मच्छर नियंत्रण के लिए डीडीटी (डाइक्लोरो-डाइफेनाइल-ट्राइक्लोरोइथेन) कभी अत्यंत प्रभावी हथियार सिद्ध हुआ था। यह पहला आधुनिक कीटनाशक माना जाता है। इसका संश्लेषण 1874 में ऑस्ट्रिया के रसायनज्ञ ओथमार जीडलर ने किया था तथा इसके कीटनाशी गुणों की खोज 1939 में पॉल हरमन मुलर ने की थी, जिन्हें 1948 में नोबेल पुरस्कार मिला। गौरतलब है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों और आम जनता को मलेरिया तथा टाइफस से बचाने के लिए इसका व्यापक उपयोग हुआ। बाद में पर्यावरणीय प्रभावों के कारण इसके उपयोग पर नियंत्रण लगाया गया, किंतु कुछ परिस्थितियों में मलेरिया नियंत्रण हेतु सीमित उपयोग को स्वीकृति दी गई। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी, मच्छरों में कीटनाशक प्रतिरोधक क्षमता, परजीवियों में दवा प्रतिरोध, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, गरीबी, पर्याप्त कोष का अभाव, सामुदायिक भागीदारी की कमी, समय पर छिड़काव न होना, रोग की पहचान में देरी तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधा न पहुँच पाना मलेरिया उन्मूलन की बड़ी बाधाएँ हैं। इसलिए आवश्यक है कि जागरूकता अभियान चलाए जाएँ, रेडियो, फिल्म, विद्यालयों और सामाजिक माध्यमों से जानकारी पहुँचाई जाए, गरीबों को स्वास्थ्य संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, स्वच्छता पर बल दिया जाए और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए।

अंत में यही कहूंगा कि विश्व मलेरिया दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि सरकार, समाज, चिकित्सा संस्थान और प्रत्येक नागरिक सामूहिक संकल्प के साथ आगे आएँ, तो मलेरिया जैसी बीमारी को हराकर मलेरिया मुक्त भारत और मलेरिया मुक्त विश्व का सपना अवश्य साकार किया जा सकता है।

संपादकीय

जीवनशैली के रोग

निस्संदेह, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की वह रिपोर्ट राष्ट्रीय चिंता बढ़ाने वाली है कि देश की पचास फीसदी आबादी जीवनशैली से जुड़े रोगों से ग्रस्त-त्रस्त है। यह भी फिक्र बढ़ाने वाला है कि एक दशक पहले देश में खान-पान, जीवन व्यवहार व तनाव से उपजे रोगों का प्रतिशत जहां 31 था, वो अब पचास फीसदी तक जा पहुंचा है। वहीं एक अच्छी बात यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व नये शोध अनुसंधान के चलते संक्रामक रोगों का प्रतिशत घटा है। लेकिन हमारे खानपान व जीवन व्यवहार में तेजी से आ रहे बदलावों के चलते लोग मोटापे, मधुमेह, तनाव व उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते जानलेवा संकट भी बढ़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है। यही वजह है कि देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में तेजी आई है, यह तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। लेकिन ये बीमा कंपनियां रोग से बचाव में मदद करने के बजाय व्यक्ति के रोगों के इलाज को प्राथमिकता देती हैं। हालांकि, देश में जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचाव के लिये जागरूकता जरूर आई है। जिसके लिये राजग सरकार को श्रेय देना होगा। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग का दुनिया में व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। यह जागरूकता भारत में भी है। लेकिन बड़ी आबादी अब भी इससे दूर है। प्रधानमंत्री ह्यमन की बातह्न रेडियो कार्यक्रम व अन्य मंचों से मोटापे से बचाव और खानपान में मिलेट अपनाने पर अक्सर बल देते नजर आते हैं। लेकिन इस पर सकारात्मक प्रतिसाद अपेक्षित अनुपात में नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि लोगों को महंगा इलाज कराने को बाध्य होना पड़ता है। विडंबना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसे रोगों से राहत के लिये डॉक्टर जीवनभर दवा खाने को कहते हैं। तमाम लोग निजी अस्पतालों में हृदयरोग आदि के महंगे इलाज से गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के सबक हमें याद रखने चाहिए, जब लोगों ने जेवर, जमीन व मकान तक गिरवी रखकर अपना उपचार कराया। लेकिन यदि लोग शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं, योग, ध्यान और व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन रोगों से बच सकते हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों
एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?
महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?
वह बोला- नहीं जानता।
तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?
अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

आचार्य महाश्रमण की निर्गुण-चेतना से विश्व-शांति की नई दिशा

ललित गर्ग

मानव इतिहास के इस अशांत और संक्रमणकालीन दौर में जब विश्व का परिदृश्य युद्ध, हिंसा, आतंकवाद और वैचारिक टकरावों से आच्छादित है, तब शांति, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों की पुकार पहले से कहीं अधिक तीव्र हो उठी है। ऐसे समय में आचार्य महाश्रमण एक ऐसे आध्यात्मिक प्रकाशस्तंभ के रूप में उभरते हैं, जिनका चिंतन केवल किसी एक पंथ, सम्प्रदाय या राष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का व्यापक दृष्टिकोण अपने भीतर समेटे हुए है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व 'निर्गुण रंगी चदरिया' की उस अनुभूति को मूर्त करता है, जो गुणों के पार जाकर आत्मा की शुद्ध चेतना में स्थित होने का संदेश देती है। भगवद्गीता में अर्जुन को दिए गए श्रीकृष्ण के उपदेश 'त्रिगुणातीत बन जा' के अनुरूप आचार्य महाश्रमण का जीवन एक सजीव उदाहरण बनकर सामने आता है। उन्होंने सत्व, रज और तम के बंधनों को पार कर उस निर्गुण अवस्था को साधने का प्रयास किया है, जहाँ व्यक्ति न केवल आत्मबोध को प्राप्त करता है, बल्कि समष्टि के कल्याण का माध्यम भी बन जाता है। उनका यह दृष्टिकोण केवल दार्शनिक विमर्श नहीं, बल्कि व्यवहारिक जीवन में उतरा हुआ सत्य है। उनकी साधना 'सत्य की पूजा' नहीं करती, बल्कि 'सत्य की शल्य-चिकित्सा' करती है अर्थात् वे सत्य को केवल स्वीकार नहीं करते, बल्कि उसकी गहराई में उतरकर उसे परिष्कृत करते हैं।

आचार्य महाश्रमण का जीवन 'रहें भीतर, जीएँ बाहर' के सूत्र पर आधारित है। यह सूत्र आधुनिक जीवन की जटिलताओं में संतुलन स्थापित करने का एक अद्वितीय मार्ग प्रस्तुत करता है। आज का मनुष्य बाहरी उपलब्धियों की दौड़ में अपने भीतर के शून्य को अनदेखा कर देता है, जिसके परिणामस्वरूप तनाव, असंतोष और हिंसा का जन्म होता है। आचार्य महाश्रमण का चिंतन इस अंतर्विरोध को समाप्त करने का प्रयास करता है। वे सिखाते हैं कि यदि भीतर शांति और संतुलन है, तो बाहर का जीवन स्वतः ही सुव्यवस्थित हो जाता है। यही कारण है कि उनकी साधना केवल आत्मिक उन्नति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी आधार बनती है। उनकी 'अहिंसा यात्रा' आज के समय की एक ऐतिहासिक और युगान्तरकारी पहल है, जो हमें दांडी यात्रा और भूदान आंदोलन की याद दिलाती है। यह यात्रा केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि विचारों की क्रांति है- एक ऐसी क्रांति, जो हथियारों से नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और संस्कारों से संचालित होती है। देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल चलकर उन्होंने लाखों लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया, उन्हें नशामुक्ति, सदाचार, नैतिकता और अहिंसा के मार्ग पर अग्रसर किया। आज जब विश्व के अनेक देश युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह प्रयास एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत करता है-एक ऐसा मार्ग, जहाँ शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि एक व्यवहारिक संभावना बन जाती है। उनकी दृष्टि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार करती है, जहाँ सम्पूर्ण विश्व एक परिवार के रूप में देखा जाता है। वे किसी व्यक्ति को उसके धर्म, जाति, वर्ग या क्षेत्र के आधार पर नहीं, बल्कि उसके भीतर विद्यमान गुणों के आधार पर आंकते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर शांति और सहयोग की नींव भी रखता है। आज जब पहचान की राजनीति और सांस्कृतिक विभाजन समाज को खंडित कर रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह समन्वयवादी दृष्टिकोण अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है।

आचार्य महाश्रमण की सादगी, विनम्रता और अनुशासन उनके व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान हैं। आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ जैसे महान आचार्यों के सान्निध्य में विकसित उनका जीवन एक ऐसी परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, जो आत्मानुशासन और सेवा को सर्वोच्च मूल्य मानती है। बाल्यावस्था में ही दीक्षा लेकर उन्होंने जिस तप, त्याग और समर्पण का मार्ग अपनाया, वह आज के भौतिकतावादी युग में एक प्रेरणास्रोत है। उनकी जीवन यात्रा मोहनलाल से मुनि मुदितकुमार, फिर महाश्रमण और अंततः आचार्य बनने तक एक ऐसी साधना गाथा है, जो यह सिद्ध करती है कि आत्मबल और संकल्प से किसी भी ऊँचाई को प्राप्त किया जा सकता है। आचार्य महाश्रमण की बौद्धिक प्रतिभा भी उतनी ही प्रभावशाली है, जितनी उनकी आध्यात्मिक साधना। उत्तराध्ययन सूत्र और भगवद्गीता जैसे महान ग्रंथों का तुलनात्मक अध्ययन कर उन्होंने यह सिद्ध किया है कि सत्य किसी एक परंपरा का एकाधिकार नहीं है। उनके प्रवचनों का संकलन 'सुखी बनो' इस दृष्टि का सशक्त उदाहरण है, जिसमें उन्होंने जीवन को सरल, सार्थक और संतुलित बनाने के सूत्र प्रस्तुत किए हैं। उनका चिंतन आगम, दर्शन, तर्कशास्त्र, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र जैसे विविध क्षेत्रों को समाहित करता है, जिससे उनका व्यक्तित्व एक बहुआयामी मनीषी के रूप में उभरता है।

आज के वैश्विक परिदृश्य में, जहाँ युद्ध की विभीषिका और परमाणु हथियारों की होड़ मानव अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी है, वहाँ आचार्य महाश्रमण का 'अहिंसा का शंखनाद' एक जीवनदायी संदेश के रूप में सामने आता है। उनका यह विश्वास कि 'अहिंसा केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है', हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या वास्तव में हिंसा के माध्यम से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है? उनका उत्तर स्पष्ट है-नहीं। शांति का मार्ग केवल संवाद, सहिष्णुता और करुणा से होकर गुजरता है। उनके प्रयासों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल उपदेश नहीं देते, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। प्रतिदिन नई ऊर्जा और संकल्प के साथ वे मानव उत्थान के कार्यों में जुटे रहते हैं। उनकी दिनचर्या, उनका अनुशासन और उनका समर्पण यह दशार्ता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने आचरण से दूसरों को प्रेरित करे। उनके नेतृत्व में तेरापंथ धर्मसंघ न केवल संगठित और सशक्त हुआ है, बल्कि उसने समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और नैतिक जागरण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में इस वर्ष योगक्षेम वर्ष के रूप में एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। देशभर में विचरण करने वाले साधु-संतों को एक जगह बुलाकर आचार्य महाश्रमण उन्हें अध्यात्म का प्रशिक्षण दे रहे हैं। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है।

बंपर वोटिंग का संदेश: क्या ज्यादा मतदान सत्ता की वापसी का संकेत है या बदलाव की आहट–जनता की चुप्पी में छिपा जनादेश

कांतिलाल मांडोत

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड तोड़ मतदान ने भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता और परिपक्वता को एक बार फिर रेखांकित किया है। भीषण गर्मी, लंबी कतारें और कई जगहों पर तनावपूर्ण माहौल के बावजूद जिस तरह मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वह सिर्फ एक चुनावी प्रक्रिया नहीं बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी का सशक्त प्रदर्शन है। यह सवाल अब स्वाभाविक रूप से उठता है कि इतनी भारी वोटिंग का अर्थ क्या है–क्या यह सत्तारूढ़ दल के पक्ष में जनसमर्थन का संकेत है या फिर परिवर्तन की इच्छा का प्रतीक?

इतिहास बताता है कि अधिक मतदान को एक ही नजरिए से नहीं देखा जा सकता। कई बार ज्यादा मतदान सत्ता में बैठे दल के पक्ष में गया है, तो कई बार यह बदलाव की लहर का संकेत भी बना है। इसलिए इस बार भी केवल प्रतिशत के आधार पर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि जब सामान्य से कहीं अधिक मतदाता मतदान के लिए निकलते हैं, तो उसके पीछे कोई न कोई मजबूत भावनात्मक या राजनीतिक कारण जरूर होता है।

पश्चिम बंगाल में इस बार मतदान का प्रतिशत 90% के पार चला गया, जो अपने आप में एक असाधारण स्थिति है। यहां चुनाव हमेशा से राजनीतिक रूप से संवेदनशील और कभी-कभी हिंसक भी रहे हैं। इस बार भी छिटपुट हिंसा की घटनाएं सामने आईं, लेकिन इसके बावजूद लोगों का बड़ी संख्या में मतदान करना यह दशार्ता है कि वे अपने वोट के महत्व को समझते हैं और किसी भी परिस्थिति में लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं। यहां मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है, और दोनों ही दल इस भारी मतदान को अपने-अपने पक्ष में बता रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस का मानना है कि यह मतदान उनके खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों और कथित मतदाता सूची पुनरीक्षण (SIR) के विरोध में जनता की प्रतिक्रिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे 'जनता की आवाज' बताया है, जो उनके अनुसार बाहरी हस्तक्षेप और राजनीतिक दबाव के खिलाफ है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी इसे 'परिवर्तन की लहर' के रूप में पेश कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषणों में दावा किया है कि जहां ज्यादा मतदान हुआ है, वहां भाजपा को बढ़त मिलती दिख रही है।

तमिलनाडु की स्थिति थोड़ी अलग लेकिन उतनी ही रोचक है। यहां परंपरागत रूप से द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के बीच सीधी टक्कर रहती है। इस बार भी यही मुकाबला देखने को मिल रहा है, लेकिन अभिनेता विजय की नई पार्टी ने समीकरणों को थोड़ा जटिल बना दिया है। रिकॉर्ड मतदान को यहां स्पष्ट जनादेश की संभावना के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि आमतौर पर तमिलनाडु में जब मतदान प्रतिशत बहुत अधिक होता है, तो मतदाता किसी एक पक्ष में स्पष्ट रूप से झुकाव दिखाते हैं।

इस बार के चुनावों में एक और महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कई क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया है। यह केवल संख्या का मामला नहीं है, बल्कि यह सामाजिक बदलाव का संकेत भी है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। उनके मुद्दे–महंगाई, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवार की आर्थिक स्थिति–चुनावी विमर्श के केंद्र में आ चुके हैं।

अगर मुद्दों की बात करें तो दोनों राज्यों में स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों तरह के मुद्दे प्रभावी रहे हैं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा, भ्रष्टाचार के आरोप, केंद्र-राज्य संबंध और पहचान की राजनीति प्रमुख मुद्दे रहे हैं। वहीं तमिलनाडु में विकास, रोजगार, शिक्षा और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे विषयों ने मतदाताओं को प्रभावित किया है। महंगाई और बेरोजगारी जैसे राष्ट्रीय मुद्दों का असर भी दोनों राज्यों में साफ दिखाई देता है।

बंपर वोटिंग का एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी होता है। जब लोग बड़ी संख्या में मतदान करने निकलते हैं, तो यह

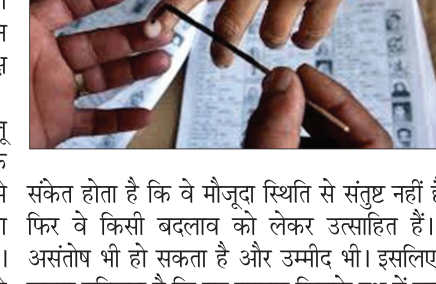

संकेत होता है कि वे मौजूदा स्थिति से संतुष्ट नहीं हैं या फिर वे किसी बदलाव को लेकर उत्साहित हैं। यह असंतोष भी हो सकता है और उम्मीद भी। इसलिए यह कहना मुश्किल है कि यह मतदान किसके पक्ष में जाएगा, लेकिन इतना तय है कि यह सामान्य चुनाव नहीं है।

राजनीतिक दलों के दावे अपनी जगह हैं, लेकिन असली तस्वीर 4 मई को सामने आएगी जब नतीजे घोषित होंगे। तब यह स्पष्ट होगा कि जनता ने किस पर भरोसा जताया और किसे नकार दिया। फिलहाल, यह कहा जा सकता है कि इस बार का चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह जनता की आकांक्षाओं, उम्मीदों और असंतोष का प्रतिबिंब है।

अंततः, बंपर वोटिंग लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दशार्ता है कि जनता जागरूक है, सक्रिय है और अपने अधिकारों के प्रति गंभीर है। चाहे परिणाम कुछ भी हों, यह भागीदारी ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

बच्चों ने बोर्ड परीक्षा में गाड़ा झंडा, शिक्षक समुदाय में हर्ष की लहर

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास खंड गंगेश्वरी के शिक्षा जगत के लिए आज का दिन अत्यंत गौरवशाली रहा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, ब्लॉक गंगेश्वरी के पदाधिकारियों ने आज प्राथमिक विद्यालय कसाईपुरा में कार्यरत सहायक अध्यापक भगवान सिंह का हसनपुर में ब्लॉक तिराहे के नजदीक उन्हें फूल मालाएं पहनाकर एवं मुंह मीठा कराकर सम्मानित किया। यह सम्मान भगवान सिंह के बच्चों द्वारा उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा में किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन के उपलक्ष्य में दिया गया।

शिक्षक भगवान सिंह की पुत्री लवी ने इंटरमीडिएट की परीक्षा में 93.5% अंक प्राप्त कर जनपद अमरोहा में द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। वहीं, उनके पुत्र वंश कुमार हाईस्कूल परीक्षा में 95.5% अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए हाईस्कूल की परीक्षा में जनपद अमरोहा में पाँचवाँ स्थान हासिल किया है। एक ही परिवार के दो बच्चों की इस दोहरी सफलता ने न केवल परिवार, बल्कि पूरे शिक्षक समाज को गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि पर प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी रामवीर सिंह ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, "यह हमारे पूरे ब्लॉक और शिक्षक संघ के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। जब एक शिक्षक के बच्चे इस तरह की सफलता प्राप्त करते हैं, तो यह समाज में शिक्षा के प्रति एक सकारात्मक संदेश देता है। इस शानदार उपलब्धि से न केवल बेसिक शिक्षा विभाग का मान बढ़ा है, बल्कि साथी शिक्षकों में भी भारी उत्साह और खुशी की लहर है।"

इस सम्मान समारोह के दौरान शिक्षकों ने भगवान सिंह और उनके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संयुक्त मंत्री महताबुद्दीन,वरिष्ठ संकुल शिक्षक संजय सिंह, एआरपी कमल दीपेंद्र सिंह, संजीव कुमार मौर्य, संजय सिंह (पूर्व एआरपी, करणवीर सिंह,रोशनलाल, विनोद कुमार, संदीप कुमार,प्रदीप कुमार, बिजेंद्र सिंह, प्रशांत कुमार,महकार सिंह, मनीष कुमार,मदनपाल ,बब्लू शर्मा आदि मौजूद रहे।

जे0 एस0 हिन्दू इण्टर कॉलेज का परीक्षाफल रहा उत्तम

अमरोहा (सब का सपना):- शहर नगर स्थित जे0 एस0 हिन्दू इण्टर कॉलेज अमरोहा की छात्रा कु0 पलक ने इण्टर विज्ञान वर्ग में 500 में से 417 अंक लेकर (83.4%) विद्यालय टॉप किया। तथा दूसरे स्थान पर अमित कुमार ने 402 अंक लेकर (80.4%) एवं कौशल चहल ने 394 अंक लेकर (78.8%) तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं हाईस्कूल में कु0 जैकी 600 में से 528 अंक लेकर (88%) विद्यालय की टॉपर बनीं। द्वितीय स्थान पर लवित 512 अंक लेकर (85.33%) तथा कु0 ललिता 508 अंक लेकर (84.66%) तृतीय पर रही।

इण्टर में प्रथम श्रेणी में 79 तथा द्वितीय श्रेणी में 80 छात्र छात्राओं ने सफलता हासिल की। हाई स्कूल में प्रथम श्रेणी में 136 तथा द्वितीय श्रेणी में 47 छात्र छात्राओं ने सफलता हासिल की। विद्यालय के अच्छे परीक्षाफल के लिए प्रधानाचार्य डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने सभी छात्र छात्राओं, उनके अभिभावकों के साथ साथ विद्यालयों के शिक्षकों सहित समस्त स्टाफ को बधाई दी है।

विद्यालय की प्रबंध समिति के प्रबंधक पंकज कुमार तथा अध्यक्ष अनिल स्वरूप टंडन ने सभी उत्तीर्ण छात्र छात्राओं, उनके माता पिता, विद्यालयों के शिक्षकों तथा प्रधानाचार्य को बधाई दी।

धनौरा के ब्लॉक परिसर में किसानों की मासिक बैठक का आयोजन,अहम मुद्दों पर की गई चर्चा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को मंडी धनौरा के ब्लॉक परिसर में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) संगठन के किसानों द्वारा मासिक बैठक का आयोजन कराया गया। संगठन के वरिष्ठ नेता जगदीश सिंह यादव के नेतृत्व में हुई इस बैठक में क्षेत्र के किसानों और मजदूरों की ज्वलंत समस्याओं पर गहन चर्चा की गई।

बता दें कि शुक्रवार को आयोजित इस बैठक के दौरान भाकियू ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। पंचायत को संबोधित करते हुए जिला प्रवक्ता नरेश कुमार ने मंडी धनौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उलउ) की बदहाली पर कड़ा रोष व्यक्त किया।भाकियू नेताओं ने मांग की कि सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं में तत्काल सुधार किया जाए, ताकि क्षेत्र के गरीब और मजदूर वर्ग के लोगों को बेहतर उपचार मिल सके। उनका कहना था कि संसाधनों की कमी और अव्यवस्था के कारण निर्धन वर्ग को निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराना पड़ रहा है।बैठक में सहकारी गन्ना विकास समिति के भवन निर्माण को लेकर भी प्रस्ताव पारित किया गया।

संगठन का स्पष्ट रुख है कि भवन का निर्माण बैनामे के आधार पर होना चाहिए। इसके साथ ही, मांग की गई कि निर्माण कार्य शुरू होने से पहले संबंधित भूमि को पूरी तरह कब्जा मुक्त कराया जाए। किसानों ने चीनी मिलों द्वारा गन्ना भुगतान में की जा रही देरी पर भी नाराजगी जताई और संपूर्ण बकाया भुगतान जल्द से जल्द करने की मांग की।किसानों ने जिला सहकारी बैंकों द्वारा ऋण पर वसूले जा रहे 7 %ब्याज को अनुचित बताते हुए इसे घटाकर 3% करने की मांग की। इसके अतिरिक्त, खेतों में फसलों को बर्बाद कर रहे आवारा पशुओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन से ठोस कदम उठाने की अपील की गई।इस मासिक पंचायत में डूंगर सिंह, जयपाल सिंह, नरेश कुमार, खचेडू सिंह, जगदीश यादव, अनवर अली, प्रदीप कुमार, अनुज यादव, जबर सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह, रामवीर सिंह, खेमपाल सिंह, सतपाल सिंह, मनोज त्यागी, महीपाल सिंह, समरपाल सिंह, जयदेव सिंह, टीकम सिंह, भूरे सिंह और श्यामबली यादव सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पार्टी कार्यकताओं और पदाधिकारियों द्वारा व्यापक जनसंपर्क

अमरोहा (सब का सपना):- सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पार्टी कार्यकताओं और पदाधिकारियों द्वारा व्यापक जनसंपर्क किया जा रहा है। 2026-2027 की राजनीतिक गतिविधियों के मद्देनजर यह सक्रियता देखी जा रही है।

दरअसल, शुक्रवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के द्वारा ग्राम पंचायत मुंडा ईम्मा व ग्राम पंचायत दरियापुर में जनचौपाल करके 29 अप्रैल को अमरोहा में होने वाले अति पिछड़ा सम्मेलन को सफल बनाने के लिए लोगों से संपर्क किया एवं अधिक से अधिक संख्या में पहुँचने की अपील की।

जन चौपाल में मंत्री प्रतिनिधि मुरादाबाद मंडल रवि चौधरी ने कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि अति पिछड़े समाज के सम्मान अधिकार और राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने का बड़ा मंच है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता इस जिम्मेदारी को अपने व्यक्तिगत मिशन के रूप में ले और पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ जुट जाए।

उन्होंने जानकारी दी कि सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री पंचायती राज विभाग व सुभासपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव पूर्व मंत्री अरविन्द राजभर इस सम्मेलन को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन ताज गार्डन कैलसा बाईपास अमरोहा में किया जाएगा। जहाँ हजारों की संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है। बलराज सिंह प्रजापति ने कहा कि सुभासपा का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम छोर तक के लोगों को पार्टी से जोड़ना। ओपी राजभर के कार्यक्रमों में भीड़ जुटाकर अपनी राजनीतिक ताकत दिखाना, पिछड़े और वंचित वर्गों के हकों के लिए आवाज उठाना है। अमरोहा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने लोगों से कार्यक्रम में पहुँचने की अपील करते हुए कहा कि सुभासपा एक ऐसी पार्टी है। जहाँ गरीब, मजदूर, अति पिछड़ों और दलित की आवाज प्राथमिकता से उठाई जाती है। इस दौरान पूर्व प्रभारी पश्चिम उत्तर प्रदेश बलराज सिंह प्रजापति, जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर, कोषाध्यक्ष आदेश अमरोही पवन कुमार, मोहम्मद यूनुस सैफी प्रधान, मोहम्मद नाजिम, अफजाल अहमद, मोहित चौधरी, विजेंदर सिंह, शाहरुख, दीपक कुमार अतीक अहमद जब्बार अहमद शखावत, शेर खान जसराम असेराम हाजी नाजिम जाकिर मेंबर तसलीम छोटे,आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने किया पुलिस लाइन में परेड का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में शुक्रवार को पुलिस लाइन, मंडी समिति परिसर में आयोजित परेड के अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव द्वारा परेड की सलामी ग्रहण कर भव्य निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड में शामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टर्नआउट, अनुशासन, एकरूपता एवं कदमताल का गहन निरीक्षण करते हुए उच्च मानकों के अनुरूप परेड को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों की प्रस्तावित पासिंग आउट परेड के दृष्टिगत अंतिम अभ्यास (फाइनल रिहर्सल) भी कराया गया। रिक्रूट आरक्षियों द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट समन्वय, अनुशासन एवं आत्मविश्वास की सराहना करते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल, अनुशासन एवं मूल्यों को अपने सेवाकाल में निरंतर बनाए रखते हुए आमजन की सुरक्षा, कानून व्यवस्था की सुदृढ़ता एवं पुलिस की छवि को और बेहतर बनाने हेतु पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि पासिंग आउट परेड को गरिमामय, सुव्यवस्थित एवं आकर्षक ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित कर ली जाएं। कार्यक्रम के दौरान संबंधित अधिकारीयों द्वारा भी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया तथा आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। इस अवसर पर पुलिस लाइन के प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

'मोबाइल क्रय केंद्र' योजना के तहत 200 क्विंटल गेहूं घर से खरीदेगा विभाग,किसानों को मिलेगी सुविधा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए 'मोबाइल क्रय केंद्र' योजना का शुभारंभ किया है। इस योजना के तहत, जिन किसानों के पास 200 क्विंटल या उससे अधिक गेहूं है, उन्हें अपनी फसल बेचने के लिए मंडी नहीं जाना पड़ेगा। विभाग स्वयं उनके घर या गोदाम पर पहुंचकर गेहूं की खरीद करेगा।

बता दें कि पीसीएफ के मोहल्ला चामुंडा केंद्र के प्रभारी शेखर वर्मा ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य बड़े किसानों को परिवहन की समस्या से राहत दिलाना है। पात्र किसान मोबाइल फोन के माध्यम से क्रय केंद्र प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।सूचना मिलने पर विभाग अपनी गाड़ी लेकर किसान के घर या गोदाम पहुंचेगा, जिससे किसानों को फसल ढोने के लिए अपने वाहन या किराए की ट्रॉली की व्यवस्था नहीं करनी पड़ेगी।खाद्य एवं रसद विभाग ने इस वर्ष धनौरा शहर के लिए 28,000 क्विंटल गेहूं खरीद का लक्ष्य तय किया है। केंद्र प्रभारियों गौरव कुमार और जयप्रकाश सिंह के अनुसार, क्षेत्र में खरीद प्रक्रिया तेजी से चल रही है। 23 अप्रैल तक कुल 3,100 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है।सरकार का यह निर्णय किसानों का बहुमूल्य समय बचाएगा और उन पर पड़ने वाले अतिरिक्त आर्थिक बोझ को कम करेगा। इसमें मंडी तक का किराया और लोडिंग खर्च शामिल है।केंद्र प्रभारी शेखर वर्मा ने किसानों से अपील की है कि जिनके पास निर्धारित मात्रा (200 क्विंटल या अधिक) में गेहूं उपलब्ध है, वे तत्काल संबंधित क्रय केंद्र से संपर्क करें ताकि समय पर खरीद सुनिश्चित की जा सके।

नौगांवा क्षेत्र में बस चालक बारातियों को बस से उतारकर फरार, रात में घंटों भटके बाराती

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नौगावा सादात थाना क्षेत्र के ग्राम धनौरी मीर से हसनपुर गई एक बारात के लिए वापसी का सफर मुश्किल भरा रहा। बस चालक ने बारातियों को बीच रास्ते में ही सड़क पर उतार दिया और बस लेकर फरार हो गया, जिससे महिलाओं और बच्चों को काफी परेशानी हुई।

बता दें कि प्राप्त जानकारी के मुताबिक धनौरी मीर निवासी आकिल सैफी पुत्र जाफिर सैफी की बारात गुरुवार सुबह हसनपुर गई थी। निकाह की रस्में पूरी होने के बाद रात करीब आठ बजे बारात बस से वापस लौट रही थी। मंडी धनौरा नगर में महादेव चुंगी स्थित हीरा मंडप के पास पहुंचते ही चालक ने अचानक बस रोक दी। बारातियों का आरोप है कि चालक ने उनके साथ बदसलूकी की और सभी को जबरन बस से उतारकर मौके से फरार हो गया।इस अचानक हुई घटना से बाराती हैरान रह गए। रात के अंधेरे में छोटे बच्चे, बुजुर्ग और युवा काफी देर तक सड़क किनारे खड़े होकर मदद का इंतजार करते रहे। ग्रामीण वहीद सैफी ने बताया कि चालक के इस व्यवहार के कारण बारातियों को बीच रास्ते में काफी परेशानी झेलनी पड़ी। काफी देर तक अफरा-तफरी और इंतजार का माहौल बना रहा। बाद में, आनन-फानन में दूसरी बस की व्यवस्था की गई, जिसके बाद बाराती अपने गंतव्य के लिए रवाना हो सके।सड़क पर फंसे बारातियों में वहीद सैफी, शमीम अंसारी, अल्तमश अंसारी, अन्नू अंसारी, अदनान अंसारी, जीशान आलम, खुर्शीद, रशीद, अरशद, युनुस सैफी, अनवार सैफी, कासिम सैफी और जाबिर अंसारी सहित कई अन्य लोग शामिल थे।

प्रभारी मंत्री के0पी0मलिक ने की विकास कार्यों की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन, के0पी0मलिक की अध्यक्षता और जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर , शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्ला , विधायक हसनपुर महेन्द्र सिंह खडगवंशी, विधायक धनौरा राजीव तरारा की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सर्वप्रथम जिलाधिकारी नितिन गौड़, पुलिस अधीक्षक द्वारा जनप्रतिनिधियों को बुके देकर एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया गया। जिलाधिकारी द्वारा मंत्री को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। बैठक में सर्वप्रथम मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा प्रभारी मंत्री को विभिन्न विभागों की उपलब्धियों से अवगत कराया।उन्होंने विभिन्न विभाग जो प्रदेश में प्रथम रैंक पर है उनके अच्छे कार्य के लिए प्रशंसा की। उन्होंने कहा जो प्रथम रैंक पर हैं वह अपनी स्थिति बनाए रखें और जो अन्य रैंक पर हैं वह प्रथम रैंक पर आने के लिए और प्रयास करें।

प्रभारी मंत्री ने कृषि रक्षा रसायन डी0बी0टी0 की प्रगति की जानकारी लेते हुए योजना का लाभ सभी पात्र किसानों को शत-प्रतिशत मिले, जिसके लिये अधिक से अधिक प्राचर-प्रसार करायें ताकि जो इस योजना के हकदार है उन्हें ही लाभ प्राप्त हो। जनपद में जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं बन पाई है, डोर टू डोर किसानों से सम्पर्क कर उनको लाभ बताते हुए फार्मर रजिस्ट्री बनाई जाए। उद्यान अधिकारी को विभाग की योजनाओं की जानकारी विभिन्न माध्यमों से आमजन तक पहुचाने के निर्देश दिए। निराश्रित गोवंशों की देखभाल के लिए सभी गौशालाओं में गर्मी से बचाव की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि ग्रामों में जो लाइब्रेरी बनाई जा रही है उनका वास्तविक लाभ आमजन को मिलें। ग्रामों में रहने वाले सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं अन्य महानुभावों के अनुभवों का लाभ उठाएं। लाइब्रेरी में पढ़ने वाले बच्चों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में विकास एवं निमार्ण कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण में जनप्रतिनिधियों को अवश्य आमंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा कि बैठक में प्राप्त जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर त्वरित कार्रवाई कर जनपद के विकास को नई ऊंचाई प्रदान करें। उन्होंने तिगरी में गंगा घाटों पर नियमित साफ सफाई की बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि सुनिश्चित किया जाए कि आयुष्मान योजना का दुरुपयोग न हो, इसके लिए आवश्यक ठोस कदम उठाएं। इसके साथ योजना के तहत लाभार्थी की पात्रता की भी जांच करें। पीएम और सीएम आवास योजना में पात्रता का विशेष ध्यान रखा जाए। सुनिश्चित किया जाए कि एक भी पात्र का आवास बनने से न छूटे। शिविर लगाकर पात्रों के आवेदन प्राप्त किये जाए। जल जीवन मिशन के समीक्षा करते हुए जिन ग्रामों में नियमित जल आपूर्ति शुरू हो गई है, उनकी सूची जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराएं। जहां पर शिकायतें है, उनका समाधान करते हुए अगली बैठक में जानकारी उपलब्ध कराएं। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार कराते हुए आम आदमी तक लाभ पहुंचाए। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की जानकारी जनप्रतिनिधियों को दी जाए, जिससे ज्यादा से ज्यादा आम जन को उसका लाभ प्राप्त हो सके। किसान सम्मान निधि के अंतर्गत शिविर लगाकर त्रुटियों को दूर किया जाए। स्मार्ट मीटर से संबंधित बिलों की समस्याओं के समाधान के लिए शिविर लगाकर त्वरित समाधान किया जाए। जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि वृद्धाश्रमों का नियमित निरीक्षण कर वहां रहने वालों का हालचाल जाना जाए। स्कूल चलो अभियान के तहत किए गए नामांकन की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि और अधिक प्रयास करते हुए नामांकन बढ़ाया जाए। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री द्वारा हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट परीक्षा में प्रदेश की टॉप 10 सूची और जनपद में प्रथम स्थान पाने वाली बालिकाओं वंशिका, छवि, इशिका और अंशिका को फूलमाला, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मंत्री ने बालिकाओं को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से जनपद का नाम रोशन किया है। भविष्य में भी आप इसी प्रकार उत्तम प्रदर्शन करते हुए देश और समाज की सेवा करें। इसके साथ उन्होंने राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के अवसर पर ग्रामों में बेहतर कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों एवं पंचायत सहायकों को भी सम्मानित किया। जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने प्रभारी मंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपके द्वारा जो दिशा निर्देश प्राप्त हुए हैं उनका शत प्रतिशत अनुपालन किया जाएगा और सरकार की योजनाओं का संचालन एवं क्रियान्वयन और प्रभावी तरीके से किया जाएगा। आगामी बैठक में आपको और बेहतर परिणाम प्राप्त होगा।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर जी, शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्ला, विधायक हसनपुर महेन्द्र सिंह खडगवंशी, विधायक धनौरा राजीव तरारा, जिलाधिकारी नितिन गौड़, पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, डीएफओ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, परियोजना निदेशक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएसएम शुगर मिल में विधि विधान से हुआ रोलर पूजन, कर्मचारियों का सम्मान

रजपुरा/संभल(सब का सपना):- डीएसएम शुगर मिल रजपुरा में शुक्रवार को नए सत्र की शुरूआत के तहत विधि-विधान के साथ रोलर पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंडित देवेंद्र पाठक ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न कराया, जिसमें यजमान के रूप में यूनिट हेड उपेंद्र कुमार तोमर ने विधिपूर्वक रोलर पूजन किया।

इस अवसर पर यूनिट हेड ने मिल के कर्मचारियों को टीका लगाकर उनका स्वागत किया तथा दक्षिणा देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिल की प्रगति और सफल संचालन की कामना की।

इस मौके पर वरिष्ठ महाप्रबंधक गन्ना इकबाल सिंह, कारखाना एवं प्रशासन प्रबंधक राजन कुमार दीक्षित, फाइनेंस हेड संजीव कुमार, इंजीनियरिंग हेड अवतार सिंह सहित सुधीर त्यागी, संतोष चौहान, पंकज गुप्ता, वसीम अहमद, सौरभ चौहान, गोपाल शुक्ला, योगेश गुप्ता, आकाश ठाकुर, निर्भय सिंह, आर.के. उपाध्याय, रंजीत सिंह, अमित कुमार समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन शुभकामनाओं और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

साइबर सेल की तत्परता से ठगी के 53 हजार रुपये कराए गए वापस

टेलीग्राम लिंक के जरिए हुआ था फ्रॉड, पुलिस ने खातों को फ्रीज कर दिलाई राहत

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं सहायक पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत के नेतृत्व में जनपद में साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जनपदीय साइबर सेल टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक पीड़ित के 53 हजार रुपये वापस कराए हैं।

जानकारी के अनुसार, थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम मुलेहटा निवासी महबूब अली के साथ अज्ञात ठगों ने टेलीग्राम पर लिंक भेजकर गेम खेलने का लालच दिया। पीड़ित द्वारा लिंक पर क्लिक करते ही उसके खाते से 53,000 रुपये की ठगी कर ली गई। इस संबंध में पीड़ित ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही साइबर सेल टीम ने उच्च अधिकारियों के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगों के खातों को होल्ड,फ्रीज कराया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर पीड़ित के पूरे 53,000 रुपये वापस दिला दिए।

साइबर सेल ने जनपदवासियों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अपनी बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी जैसे खाता संख्या, पिन, ओटीपी या सीवीवी किसी के साथ साझा न करें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या जनपदीय साइबर सेल से संपर्क करें।

पासिंग आउट परेड का रिहर्सल सम्पन्न, एसपी ने ली सलामी और दिए आवश्यक निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के ईश्वर दास टेक्निकल इंस्टीट्यूट, बहजोई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षांत/पासिंग आउट परेड से पूर्व शुक्रवार को उत्साह एवं अनुशासन के साथ रिहर्सल सम्पन्न हुआ। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने परेड की सलामी लेकर निरीक्षण किया। परेड में शामिल प्रशिक्षु आरक्षियों ने उत्कृष्ट तालमेल, अनुशासन एवं उच्च स्तर की ड्रिल का प्रदर्शन किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने परेड गठन, कमांड एवं कंट्रोल, ड्रेस, कदमताल तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। रिहर्सल के दौरान प्रशिक्षुओं को देश सेवा, कर्तव्यनिष्ठा एवं भारतीय संविधान के प्रति सत्यनिष्ठा की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए ईमानदारी, पारदर्शिता और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत, प्रतिसार निरीक्षक अशोक कुमार, आरटीसी प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रहित और जन कल्याण के लिए समर्पित कृष्ण कुमार शर्मा का भव्य सम्मान

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- समाजसेवा और राष्ट्रभक्ति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को जब पहचान मिलती है, तो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसी कड़ी में भारतीय किसान संघ द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में संगठन के पूर्व जिलाध्यक्ष और राष्ट्र सेवी संगठन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. सांई रेड्डी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान कृष्ण कुमार शर्मा को पारंपरिक रूप से पगड़ी पहनाकर और पटका भेंट कर सम्मानित किया गया। यह दृश्य न केवल सम्मान का प्रतीक था, बल्कि उनके द्वारा किए गए वर्षों के जमीनी कार्यों के प्रति कृतज्ञता भी थी। राष्ट्रहित और

समाज सुधार का संगम ।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा ने कृष्ण कुमार शर्मा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कृष्ण कुमार शर्मा का जीवन जनहित और राष्ट्रहित के लिए पूरी तरह समर्पित है। वे न केवल किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हैं, बल्कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए भी निरंतर जागरूकता अभियान चलाते हैं।

सम्मान समारोह में वक्ताओं ने कृष्ण कुमार शर्मा के बहुआयामी कार्यों की सराहना की। उनके योगदान को मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में देखा जा सकता है।

एक सजग 'गौ प्रेमी' के रूप में उन्होंने क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। गौ संरक्षण के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायी है।

आधुनिक समय में रसायनों के बढ़ते प्रयोग के बीच, वे किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए लगातार प्रेरित कर रहे हैं ताकि मिट्टी की उर्वरता और जन स्वास्थ्य की रक्षा हो सके। प्रशासनिक स्तर पर किसानों की आवाज उठाना और उनकी समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करना उनकी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा रहा है।

यह सम्मान न केवल कृष्ण कुमार शर्मा की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि उन सभी कार्यकताओं का उत्साहवर्धन है जो निस्वार्थ भाव से राष्ट्र निर्माण में जुटे हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने उनके दीघार्यु और यशस्वी जीवन की कामना की। इस अवसर पर प्रांत उपाध्यक्ष चौ नरेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, जिला मंत्री आलोक चौहान, प्रांत गन्ना मंत्री महिपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष शिवचरन सैनी आदि मौजूद रहे।

रजबपुर में अवैध खनन करने का वीडियो आया सामने,संबंधित अधिकारी बोले जांच कर होगी कार्यवाही

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना रजबपुर क्षेत्र में शुक्रवार सुबह कथित अवैध खनन का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो के सामने आने के बाद प्रशासनिक महकमे में हलचल बढ़ गई है।वीडियो में मिट्टी से जुड़ी गतिविधियां दिखाई दे रही हैं, जिससे क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है।

बता दें कि स्थानीय स्तर पर पहले भी खनन गतिविधियों की शिकायतें मिलती रही हैं। ताजा वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।मामले में रजबपुर थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने जानकारी से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में नहीं है, लेकिन वीडियो की जांच कराई जाएगी।वहीं, जिला खनन अधिकारी मनीष यादव ने भी इस प्रकरण की जांच कराने की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि अवैध खनन की पुष्टि होती है, तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस वीडियो के सामने आने के बाद अब सभी की निगाहें जांच के नतीजों पर टिकी हैं। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह न केवल अवैध खनन का मामला होगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर निगरानी और जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़े करेगा।

हेलमेट न पहनने वालों पर सख्ती, मौके पर ही खरीदवाया हेलमेट

पुलिस की कार्रवाई,यातायात नियमों का पालन कराने को चलाया चेकिंग अभियान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार के निर्देशन में गुरुवार को हुई बैठक में दिए गए आदेशों के अनुपालन में शुक्रवार को बहजोई-बबराला रोड स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के पास सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान क्षेत्राधिकारी यातायात एवं कार्यवाहक प्रभारी यातायात पुलिस द्वारा अन्य पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर चलाया गया।

चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट वाहन चला रहे मोटरसाइकिल सवारों को रोककर उन्हें हेलमेट के महत्व और सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक किया गया। पुलिस ने चालकों को समझाया कि हेलमेट उनकी सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है और दुर्घटना की स्थिति में यह जीवन रक्षक साबित हो सकता है।

इस दौरान कई बाइक सवारों ने मौके पर ही अपनी सहमति से हेलमेट खरीदे और उन्हें पहनकर आगे यात्रा की। पुलिस टीम ने सभी वाहन चालकों को भविष्य में हमेशा हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित यात्रा करने की सख्त हिदायत दी।

पुलिस का कहना है कि सड़क सुरक्षा को लेकर इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

किरण सोशल वेलफेयर सोसाइटी ने नई कार्यकारिणी का किया सम्मान

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- किरण सोशल वेलफेयर सोसाइटी (रजि.) द्वारा श्री रामवाग धाम ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी के गठन एवं चुनाव में विजय प्राप्त करने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष मौसम गुप्ता एवं उनकी धर्मपत्नी रागिनी वार्ष्णेय का ग्रुप की अध्यक्ष डॉ. नीलम वार्ष्णेय द्वारा शॉल व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता, मंत्री अमित के.एस., उप मंत्री गौरव वार्ष्णेय, कोठारी अंकित वार्ष्णेय,

कोषाध्यक्ष राकेश कुमार आर्य एवं आय-व्यय निरीक्षक गौरव वार्ष्णेय सहित सभी पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया।

साथ ही कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीलम वार्ष्णेय ने कहा कि संस्था द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के सामाजिक एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे आपसी सहयोग और सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलता है।इस अवसर पर रूबी, डॉली शर्मा, मीना, मीनाक्षी, शालू, इंदु अग्रवाल, सीमा, प्रतिभा, वंदना, ऊषा, रुचि, मालती, स्वाति, आशा, ममता सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

जिलाधिकारी ने ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण

संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने शहजादी सराय स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति एवं लॉग बुक सहित सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने वेयरहाउस के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, उप जिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने गंगा एक्सप्रेसवे स्थल मंगरौला का किया भ्रमण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़े तहसील हसनपुर के ग्राम मंगरौला का भ्रमण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने जा रहे हैं, जिसके क्रम में जनपद अमरोहा में भी इस महत्वपूर्ण स्थल पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ गंगा एक्सप्रेसवे के अमरोहा खंड में स्थित ग्राम मंगरौला का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। यहां एक्सप्रेसवे का एंट्री पॉइंट है, जो जिले को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। भ्रमण के दौरान उन्होंने तैयारियों का जायजा लिया, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और स्थानीय स्तर पर होने वाले कार्यक्रम की समीक्षा की। 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री हरदोई जिले में 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे।

यह एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों (मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज) को जोड़ेगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, उप जिलाधिकारी हसनपुर हिमांशु उपाध्याय, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग गिरीश, परियोजना निदेशक अम्बरीष कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रेन की चपेट में आकर महिला की दर्दनाक मौत, बकरी चराकर घर लौटते समय हुआ हादसा

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 53 वर्षीय महिला की ट्रेन की चपेट में आकर मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान बानो पत्नी नवाब, निवासी ईदगाह कॉलोनी बहजोई के रूप में हुई है।

घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बानो रोज की तरह शुक्रवार को भी घर से बकरी चराने के लिए निकली थी। देर शाम जब वह बकरियों को लेकर वापस घर लौट रही थी, तभी भगवंतपुर वाली देवी मंदिर के पास रेलवे लाइन पार करते समय अचानक ट्रेन आ गई।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा भरकर परिजनों को सौंप दिया।

घर में घुसकर युवक को मारी गोली, मेरठ में इलाज के दौरान मौत, तीन आरोपी अब भी फरार

बिजनौर।(सबका सपना) हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के रावटी गांव में घर में घुसकर युवक को गोली मारने की सनसनीखेज घटना ने इलाके में दहशत फैला दी है। गंभीर रूप से घायल युवक सौरभ ने मेरठ के एक अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है, जबकि गांव में सन्नाटा पसरा है। जानकारी के अनुसार घटना 20 अप्रैल की रात करीब 11:30 बजे की है। मृतक के पिता सुदेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह परिवार के साथ घर पर सो रहे थे। इसी दौरान दरवाजे पर दस्तक हुई। दरवाजा खोलते ही बाहर खड़े तीन युवक–अंकित, अतुल और एक अज्ञात–जबरन घर में घुस आए और सौरभ के बारे में पूछताछ करने लगे। उस समय सौरभ एक शादी समारोह में गया हुआ था। कुछ देर बाद जब सौरभ घर लौटा, तो आरोप है कि तीनों आरोपियों ने उसे घेर लिया और एक हमलावर ने तमंचे से उसके सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। परिजनों ने आनन-फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसकी हालत गंभीर देखते हुए मेरठ रेफर कर दिया गया। बीती रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पीड़ित पिता का आरोप है कि जब उन्होंने आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया तो उन्होंने उन पर भी फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। जाते समय वे अपनी मोटरसाइकिल भी मौके पर छोड़ गए। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है, लेकिन घटना के कई दिन बाद भी उनकी गिरफ्तारी न होने से परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

यूपी बोर्ड में फेल होने के बाद छात्र ने रेलवे ट्रैक पर लगाई छलांग

बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर क्षेत्र में यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा में असफल होने के बाद एक छात्र द्वारा रेलवे ट्रैक पर छलांग लगाने का मामला सामने आया है। घटना में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में हालत नाजुक होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार शेरकोट के मोहल्ला शेखान निवासी देवांश शर्मा, जो डीएवी इंटर कॉलेज का इंटरमीडिएट छात्र है, परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद गहरे तनाव में आ गया। परिवार के अनुसार परिणाम से निराश होकर वह घर से बिना बताए निकल गया और धामपुर पहुंच गया।

बताया गया है कि नहटौर ओवरब्रिज पर पहुंचकर उसने नीचे रेलवे ट्रैक की ओर छलांग लगा दी। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत साहस दिखाते हुए घायल छात्र को पटरियों से हटाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। गनीमत रही कि उस समय ट्रैक पर कोई ट्रेन नहीं आ रही थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस के जरिए छात्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। परिजनों का कहना है कि छात्र पढ़ाई में सामान्य था, लेकिन परिणाम के दबाव को सहन नहीं कर पाया। पुलिस मामले की जानकारी जुटाने में लगी है।

मुखवरी के शक में युवक को पंचायत के बहाने बुलाकर पीटा

पुलिस ने एनसीआर दर्ज कर एक आरोपी का शांतिभंग में किया चालान

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मछली बाजार को बंद कराए जाने की खबर के बाद उपजे विवाद ने गुरुवार की रात हिंस-क रूप ले लिया। पुलिस प्रशासन द्वारा बाजार बंद कराने की कार्रवाई को बिरादरी के ही एक व्यक्ति की मुखबिरी मानकर महिगीर बिरादरी के कुछ लोगों ने उसे बंधक बनाकर बिरादरी की मिटिंग मे बेरहमी से पीटा। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को पुलिस प्रशासन के आदेश पर स्योहारा का मछली बाजार पूरी तरह बंद रहा। बता दें कि यह बाजार मुख्य रूप से महिगीर बिरादरी के लोगों द्वारा संचालित किया जाता है। बाजार बंद होने के बाद बिरादरी में यह अफवाह तेजी से फैल गई कि रईस महिगीर ने पुलिस में कोई झूठी शिकायत की है, जिसके कारण सभी की रोजी-रोटी पर संकट आया है।अफवाह से ना-राज बिरादरी के लोगों ने गुरुवार की रात करीब 10 बजे एक मीटिंग आयोजित की। आरोप है कि इरशाद और कासिम नामक व्यक्ति रईस को 'बिरादरी की मीटिंग' के बहाने बुलाकर ले गए। रईस जैसे ही वहां पहुँचा, पहले से घात लगाकर बैठे शाहिद पुत्र अकबर, मुजाहिद पुत्र शाहिद, शुऐब पुत्र रफीक, रफीक पुत्र जहूर और चार अन्य लोगों ने उसे पकड़ लिया। रईस का आरोप है कि इन लोगों ने उसे घेरकर लाठी-डंडों से जमकर पीटा, जिससे उसके सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संजय कुमार ने बताया कि पीड़ित रईस की तहरीर के आधार पर एनसीआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी रफीक पुत्र जहूर का शांतिभंग की धाराओं में चालान कर दिया है। थाना प्रभारी ने आगे बताया कि घायल रईस का डॉक्टरी परीक्षण कराया गया है। मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद चोटों की गंभीरता के आधार पर मुकदमे में धाराओं की बढ़ोतरी (तरमीम) की जाएगी। फिलहाल पुलिस अन्य नामजद आ-रोपियों की तलाश में जुटी है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है।

गैस की नही है कमी, फिर भी उपभोक्ताओं की एजेंसी पर उमड़ी भीड़

बुगराशी/बुलंदशहर (सब का सपन):- शुक्रवार को बरहाना रोड स्थित बिंदू इंडेन गैस एजेंसी पर दिन निकलते ही उपभोक्ताओं की भी जमा हो गई।जबकि उनसे पहले दो गाडी गैस सिलेंडरों से भरी गाडी आ चुकीं थीं। गैस एजेंसी के प्रबंधक ललित चौधरी ने बताया कि सुबह 8 बजे से ही सिलेंडर बांटे जा रहे हैं। उपभोक्ताओं की भारी भीड़ होने बाद भी उपभोक्ता आराम से सिलेंडर लेकर जा रहे हैं।अभी गैस की कोई समस्या नही है समस्या वो ही पुरानी है कि गैस अधिक दिनों में बुक हो रही है। जिसको लेकर एजेंसी पर भीड रहती है। अधिक भीड होने का दूसरा कारण है कि एक आदमी सरेंडर लेने आता है दूसरा उसके साथ आता है। एक उपभोक्ता सर्वेश त्यागी ने बताया कि इस एजेंसी पर कभी गैस की कोई समस्या नही हुई, यूं तो थोडी बहुत भीड तो हो ही जाती है।

स्थित समान्य है गैस की कोई परेशानी नही है और ना ही भविष्य में होगी।

मण्डी सचिव की तानाशाही के खिलाफ आढतियों ने भरी हुंकार

"मण्डी सचिव चोर है" के नारों से गूंजा मण्डी परिसर

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना) धर्मेंद्र लोधीः- डिबाई की अनाज मण्डी में भृष्टाचार को लेकर आखिरकार आढतियों का गुस्सा फूट ही गया। गौरतलब है कि डिबाई मण्डी सचिव अपनी कार्यशैली को लेकर पिछले कई महीनों से चचाओं में हैं।लेकिन अबकी बार मण्डी सचिव ने एक अजब-गजब कारनामा कर दिया जिससे अनाज मण्डी में मौजूद सभी आढतियों का सब्र जबाब दे गया और सब्र जबाब देता भी क्यूं नहीं ऐसी चिलचिलाती भीषण गर्मी में सभी दुकानों की विजली सप्लाई तीन महीनों से काट रखी है।जबकि मजे की बात है कि विजली का बिल सभी आढतियों का तीन महीनों तक का जमा है लेकिन मण्डी सचिव खुद और उनके कर्मचारी अपने ऑफिस में कूलर पंखे का आनन्द लेते हैं।अनाज मण्डी प्रधान रमेश चन्द्र का कहना है कि मण्डी सचिव अनिल चौधरी एक भृष्ट अधिकारी हैं जो डिबाई अनाज मण्डी में केवल दो दिन ही आते हैं और उस दौरान अपने कर्मचारियों से अबैध उगाई कराकर अपनी जेब भरकर चले जाते हैं।आढतियों का आरोप है कि मण्डी परिसर में न तो पीने के लिए पानी की व्यवस्था है और न ही किसानों को बैठने की व्यवस्था मण्डी में चारों ओर फैली गन्दगी भी मण्डी सचिव की ही देन है। जब घटना की जानकारी डिबाई विधायक सीपी सिंह लोधी को हुई तो तुरंत अनाज मण्डी पहुंचे और आढतियों से वार्ता कर मण्डी सचिव को खरी-खरी सुनाई।और कहा कि तुम जैसे अधिकारियों की बजह से ही हमारी सरकार बदनाम होती है।विधायक ने मण्डी सचिव को 24 घण्टे का समय दिया है कि सभी समस्याओं को निपटाकर सभी आढतियों को संतुष्ट करें। वहीं कुछ आढतियों ने डिबाई विधायक सीपी सिंह लोधी से मण्डी सचिव को हटाने की मांग रखी है क्योंकि मण्डी सचिव की तानाशाही इतनी बढ गई है कि अब बर्दाश्त से बाहर हो गई है।

हांलांकि डिबाई एसडीएम मनीष कुमार सिंह ने सभी समस्याओं को गौर से सुना और कहा कि मण्डी सचिव द्वारा जो लापरवाही वरती गई हैं उन्हें जल्द से जल्द दुरूस्त कराया जाएगा। लेकिन वहीं मण्डी के आढतियों की मानें तो जबतक मण्डी सचिव के खिलाफ कोई ठोस कार्यवाही नहीं होगी जबतक डिबाई अनाज मण्डी के हालात नहीं सुधरेंगे।

स्योहारा में आवारा कुत्तों के खिलाफ अभियान, 17 कुत्ते पकड़े, नसबंदी-टीकाकरण के लिए भेजे गए

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा नगर पालिका परिषद ने शहर में बढ़ते आवारा कुत्तों के आतंक को नियंत्रित करने के लिए विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत नगर के विभिन्न मोहल्लों से कुल 17 आवारा कुत्तों को पकड़कर नसबंदी और टीकाकरण के लिए निर्धारित केंद्र पर भेजा गया। पालिका की इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल ने बताया कि पिछले काफी समय से शहर के कई इलाकों से आवारा कुत्तों के आक्रामक व्यवहार और बढ़ती संख्या को लेकर शिकायतें मिल रही थीं। विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के लिए शाम के समय सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया था। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यह अभियान चलाया गया।

उन्होंने बताया कि पकड़े गए सभी कुत्तों को सुरक्षित तरीके से संबंधित केंद्र पर भेजा गया है, जहां विशेषज्ञों की निगरानी में उनकी नसबंदी की जाएगी और रेबीज से बचाव के लिए टीकाकरण किया जाएगा। यह प्रक्रिया वैज्ञानिक तरीके से की जा रही है ताकि कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण के साथ-साथ जनस्वास्थ्य को भी सुरक्षित रखा जा सके।

पालिका प्रशासन का कहना है कि नसबंदी और टीकाकरण के बाद नियमानुसार इन कुत्तों को वापस छोड़ा जाएगा। साथ ही, भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे ताकि शहर को आवारा पशुओं की समस्या से राहत मिल सके।

गुलदार के खौफ से मुक्त हुआ गांव, पकड़े जाने के बाद लोगों ने ली चैन की सांस

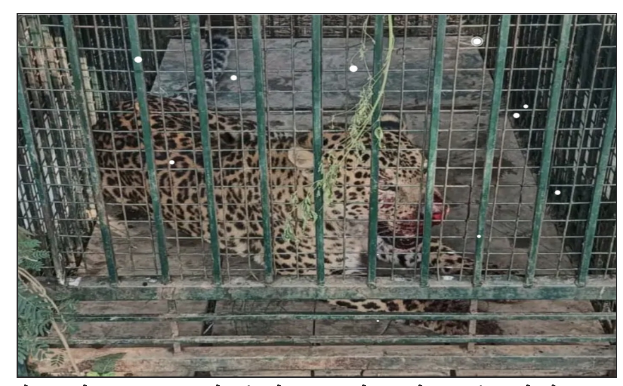

बिजनौर (सब का सपना):- कई दिनों से ग्रामीणों की नींद हराम कर रहा गुलदार आखिरकार वन विभाग के लगाए पिंजरे में कैद हो गया। मंडावली थाना क्षेत्र के लाहक कला गांव में शुक्रवार सुबह यह खबर फैलते ही लोगों ने राहत महसूस की और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिछले करीब एक महीने से गांव के आसपास गुलदार की लगातार मौजूदगी देखी जा रही थी। इस दौरान उसने कई मवेशियों को अपना शिकार बना लिया था, जिससे किसानों और पशुपालकों में भय का माहौल बना हुआ था। हालात ऐसे हो गए थे कि शाम ढलते ही लोग घरों से बाहर निकलने से कतराने लगे थे। गुलदार की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए वन विभाग ने तीन दिन पहले गांव के बाहरी इलाके में पिंजरा लगाया था। निगरानी के दौरान शुक्रवार सुबह गुलदार उसी जाल में फंस गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सावधानीपूर्वक उसे अपने कब्जे में ले लिया।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार पकड़ा गया गुलदार करीब 4 से 5 वर्ष का है। उसे जालपुर नर्सरी भेजा गया है, जहां उसका मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा। इसके बाद विभागीय प्रक्रिया के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुलदार के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है और वन विभाग की कार्रवाई की सराहना की है।

दीदा नंगला हत्याकांड:- जमीनी रंजिश में हुई थी इंशाक की हत्या, तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ तहरीर

बिजनौर (सब का सपना):- थाना कोतवाली शहर के ग्राम दीदा नंगला में शुक्रवार को हुए सनसनीखेज हत्याकांड में नया मोड़ आ गया है। मृतक के पुत्र शानू ने पुलिस अधीक्षक बिजनौर को प्रार्थना पत्र सौंपकर घटना की पूरी सच्चाई बयां की है। शानू का आरोप है कि उसके पिता इंशाक की हत्या गांव के ही एक ही परिवार के तीन लोगों ने जमीनी विवाद और पुरानी रंजिश के चलते की है।

एसपी को दिए पत्र में शानू ने बताया कि उनके परिवार का गांव के ही शाने रजा पुत्र अली मोहम्मद, और जावेद व शावेज पुत्रगण कफील से जमीन व कुआं बनाने को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के कारण ये लोग उसके पिता इंशाक से खुन्नस रखते थे। घटनाक्रम के अनुसार, गुरुवार की शाम करीब 4 बजे जब इंशाक अपनी पत्नी रमजानू और पुत्री सीमा के साथ खेत पर थे, तभी तीनों आरोपी वहां पहुँचे। आरोप है कि शावेज के उकसाने पर शाने रजा और जावेद ने जान से मारने की नीयत से तमंचों से फायरिंग कर दी। शाने रजा की गोली सीधे इंशाक को लगी। शोर सुनकर जब बेटा शानू और अन्य लोग मौके पर पहुँचे, तो आरोपी तमंचे लहराते हुए दक्षिण दिशा की ओर भाग निकले। खून से लथपथ इंशाक को परिजन तुरंत बिजनौर अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने बताया कि उनकी मौत हो गई। शानू ने पत्र में मार्मिक उल्लेख किया है कि उसके पिता को बचाने की कोशिश में उसकी मां रमजानू के कपड़े भी खून से सन गए थे, जो इस जघन्य अपराध के मूक गवाह हैं।

प्रार्थी शानू ने बताया कि घटना के बाद वह बेहद घबराया हुआ था, जिसके कारण पुलिस के कहने पर उसने जल्दबाजी में जो तहरीर दी, उसमें पूरी बात विस्तार से नहीं लिख पाया था। जबकि उसकी मां ने उसी समय सही घटनाक्रम लिखकर दिया था। शानू ने मांग की है कि उसकी नई तहरीर के आधार पर इन तीनों नामजद आरोपियों शाने रजा, जावेद और शावेज के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उन्हें कड़ी सजा दिलाई जाए।

पुलिस अधीक्षक ने इस नए प्रार्थना पत्र का संज्ञान लेते हुए मामले की गहराई से जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरोपियों की धरपकड़ के लिए गठित तीन टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और साक्ष्यों के आधार पर दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

राशि चौधरी ने हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में जिले में हासिल किया दसवां स्थान

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- टी वी एस जी इंटर कालेज जाडौल का इंटरमीडिएट व हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। विद्यालय ने लगातार ग्यारहवें वर्ष यह उपलब्धि हासिल की । खास बात यह रही कि विद्यालय की छात्रा राशि चौधरी ने हाईस्कूल परीक्षा में 92.6% अंक प्राप्त कर जनपद में दसवें स्थान पर कब्जा जमाकर स्कूल का नाम रोशन किया है। इंटरमीडिएट परीक्षा में दीपिका पाल पुत्री रामपाल सिंह ने 85.8%अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला स्थान हासिल किया है। बिट्टू पुत्र योगेन्द्र सिंह ने 85%अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा क्रिश शर्मा पुत्र शिवदत्त शर्मा ने 82.2% अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान हासिल किया है। हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में राशि चौधरी पुत्री जगमोहन ने 92.6%अंक प्राप्त कर विद्यालय टाप किया है। राशि चौधरी ने जनपद की टाप टेन लिस्ट में भी दसवें स्थान पर कब्जा जमा कर जनपद भर में अपने स्कूल और अभिभावकों का नाम रोशन किया है। योगेश कुमार पुत्र विजेंद्र सिंह ने 91.33%अंक प्राप्त कर विद्यालय में दूसरे व तनिश शर्मा पुत्र निमिष शर्मा ने 90.6 %अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान हासिल किया है। विद्यालय प्रबंधक डा अजीत सिंह ने बताया कि विद्यालय की स्थापना वर्ष 2016 में हुई थी। तभी से आज तक हमारे विद्यालय का रिजल्ट हाई स्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत रहा है। लगातार ग्यारहवें वर्ष विद्यालय ने यह उपलब्धि हासिल की है जिसके लिए विद्यालय का तमाम स्टाफ और छात्र छात्राएं बधाई के पात्र हैं। उन्होने मेधावी विद्यार्थियों को शीघ्र ही समारोह पूर्वक सम्मानित किए जाने की भी घोषणा की।

नगर में धड़ल्ले से बिक रहा नकली पनीर सेहत के साथ हो रहा खिलवाड़

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर में इन दिनों नकली पनीर का कारोबार बड़े पैमाने पर फल-फूल रहा है कुछ मुनाफाखोर दुकानदार ग्राहकों को गुमराह करते हुए नकली और मिलावटी पनीर को शुद्ध और असली बता कर बेच रहे है शादी समारोह में और मांग बढ़ने के साथ ही नगर के विभिन्न बाजारों में घटिया सामग्री से बना यह पनीर धड़ल्ले से खपाया जा रहा है स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह पनीर दिखने में तो सफेद और ताजा लगता है

लेकिन स्वाद और गुणवत्ता में बेहद खराब है जानकारों के मुताबिक इस तरह का पनीर सेहत के लिए गम्भीर खतरा पैदा कर सकता है नागरिकों ने फूड विभाग (खाद्य विभाग) से इस ओर तुरन्त ध्यान देने और संदिग्ध दुकानों पर छापेमारी कर सैंपलिंग करने की मांग की है ताकि जनता की सेहत से हो रहे इस खिलवाड़ को रोका जा सकें।

उत्तर प्रदेश विधान सभा मे शिकायत के बाद भी कब्जा मुक्त नही हो सकी शिव व दुर्गा मन्दिर की सार्वजनिक सम्पत्ति

शामली (सब का सपना):- विकास खण्ड कांधला क्षेत्र के ग्राम मीनला के निवासी परीक्षत पुत्र संसार सिंह ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर सार्वजनिक सम्पत्ति शिव व दुर्गा मन्दिर और रास्ते की भूमि से अवैध कब्जा न हटवाने कि शिकायत की। परीक्षत ने अपने शिकायत पत्र मे बताया कि मीमला गाव के खसरा सख्या 479 कुल रकबा 0.6070 हेक्टेयर है। जिस पर धनपाल पुत्र सोरण (मृतक) के वारिसान ने अवैध निर्माण कर कब्जा कर रखा है। पूर्व तहसीलदार द्वारा अवैध कब्जाधारी धनपाल पर रुपए 1052 का जुमार्ना वसुली का आदेश दिनांक 07 जनवरी 2005 को निर्गत किये थे। व बेदखली आदेश दिये थे। बाद मे उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा भी बेदखली आदेश यथावत रख रिट सं. 31378/2005 को दिनाँक 04 मार्च 2014 को अन्तरिम रुप से खारिज कर दिया था। दिनाँक 22 अप्रैल 2022 को मंडलायुक्त सहारनपुर ने बेदखली के आदेश पारित कर अवैध निर्माण ध्वस्ती के आदेश जिलाधिकारी को दिए। दिनांक 1 फरवरी 2025 को उत्तर प्रदेश विधान सभा मे भी सदस्य प्रभु दयाल नारायण द्वारा अवैध कब्जा हटवाने के सम्बध मे शिकायत की। जिसके बाद औपचारिक जांच कर अवैध कब्जा हटवाने से सम्बन्धित कोई कार्रवाई जनपदीय व मण्डलीय अधिकारियो द्वारा नही की गयी। साथ ही परीक्षत ने बताया कि धनपाल के वारिसान उग्र व झगड़ालू प्रवृत्ति के है जिनसे उसे जानमाल का खतरा बना रहता है। साथ ही अवगत कराया कि वर्तमान ग्राम निवारी पहलसिह ने अन्य वे सार्वजनिक सम्पति का बैनामा भी कर रखा है। परीक्षत ने जिलाधिकारी के साथ ही अन्य बडे अधिकारियो से सार्वजनिक सम्पत्ति से अवैध कब्जा हटवाने व विपक्षीगणो के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

हापुड़ पुलिस ने अपहृत युवक को किया सकुशल बरामद

अपहरणकर्ता महिला सहित छः आरोपी गिरफ्तार

हापुड़ (सब का सपना):- जनपद पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है! स्वाट टीम और थाना गढ़मुक्तेश्वर प्रभारी निरीक्षण देवेंद्र सिंह बिष्ट की संयुक्त पुलिस टीम ने अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में एक महिला सहित 6 अपहरणकताओं को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें आकाश, राहुल त्यागी, नीरज कुमार, मोहम्मद सलमान, मसूद अहमद, और श्रुति उर्फ शिखा त्यागी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानजय सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि आरोपियों के कब्जे से फिरौती के रूप में वसूले गए 7.50 लाख रुपये, अवैध असलहा, और घटना में प्रयुक्त एक बलैनो कार बरामद की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त सलमान और मसूद अहमद ने अपने सह अभियुक्तों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से 25 लाख रुपये की फिरौती के लिए युवक का अपहरण किया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनपद पुलिस अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है और अपराध को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश इकाई शामली का किया गया विस्तार

शामली (सब का सपना):- राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष के निदेर्शो के क्रम मे 6 अप्रेल को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश इकाई शामली का द्विवार्षिक अधिवेशन राजकीय आई टी आई परिसर लिसाढ मे सम्पन्न हुआ था।

जिसके क्रम मे राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश इकाई शामली जिलाध्यक्ष इ. संजय कुमार ने बताया कि परिषद के संविधान मे निहित पदो पर कार्यकारिणी विस्तार करते हुए कुल 29 सदस्य मनोनीत किये गए है।

इसके अतिरिक्त समस्त घटक संघो के जिलाध्यक्ष, जिलामंत्री विशेष आमंत्रित सदस्य व समस्त घटक संघो के अध्यक्ष, मंत्री भी कार्यकारिणी के पदेन सदस्य रहेंगे। समस्त मनोनीत सदस्यो को गोपनियता की शपथ 4 मई को दिलाई जायेगी।

श्री राम कृष्ण कन्या इंटर कॉलेज किसौली की छात्राओं ने यूपी बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

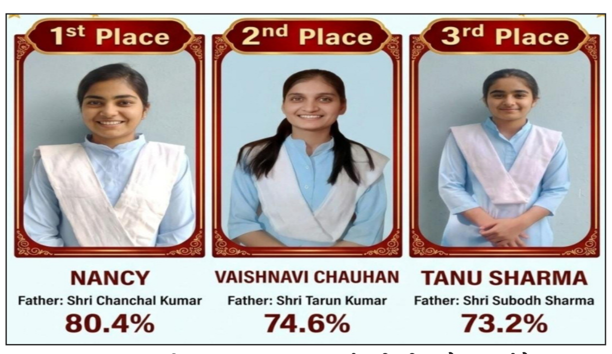

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा घोषित इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के परिणामों में विकासखंड क्षेत्र अगौता के ग्राम किसौली स्थित श्री राम कृष्ण कन्या इंटर कॉलेज, किसौली की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस वर्ष विद्यालय का कुल परीक्षा परिणाम 89% रहा, जो उत्कृष्ट सफलता का प्रतीक है। विद्यालय की मेधावी छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन से शीर्ष स्थान प्राप्त किए। प्रथम स्थान पर नैन्सी पुत्री श्री चंचल कुमार ने 80.4% अंक प्राप्त किए।

द्वितीय स्थान पर वैशाली चौहान पुत्री श्री तरुण कुमार ने 74.6% अंक हासिल किए,तृतीय स्थान पर तनु शर्मा पुत्री श्री सुबोध शर्मा ने 73.2% अंक प्राप्त किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. हरेन्द्र सिंह ने सभी सफल छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्राओं की कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि छात्राएं भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगी। साथ ही उन्होंने उन छात्राओं का उत्साहवर्धन किया जो इस बार अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं कर सकीं, और उन्हें आत्म-सुधार तथा निरंतर प्रयास के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ ने भी सभी सफल छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

नवनियुक्त स्याना तहसीलदार से भाकियू अराजनैतिक प्रतिनिधिमंडल की शिष्टाचार भेंट

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के युवा जिला अध्यक्ष ठाकुर शैलेंद्र आर्य सावेज खान महराजखान कैफ आदि ने नवनियुक्त स्याना तहसीलदार आदरणीय मनोज कुमार रावत से शिष्टाचार भेंट की तथा आधुनिक भारत के निमार्ता महर्षि दयानंद सरस्वती की तस्वीर भेंट की।

इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने रावत जी को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। प्रतिनिधिमंडल ने आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में प्रशासनिक कार्य और अधिक सुचारु रूप से संचालित होंगे तथा आमजन, किसानों एवं मजदूरों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

भेंट के दौरान क्षेत्र के विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। तहसीलदार मनोज कुमार रावत जी ने संगठन के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि जनता की समस्याओं के समाधान हेतु प्रशासन सदैव तत्पर रहेगा।

अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ने थाना जहांगीराबाद का किया औचक निरीक्षण

बुलन्दशहर (सब का सपना):- रात्रि में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अंतरिक्ष जैन ने थाना जहांगीराबाद का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, बैरक, कार्यालय, अभिलेख, मालखाना, हवालात व शस्त्रागार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

उन्होंने साफ-सफाई बनाए रखने, अभिलेखों को अद्यतन रखने तथा मालखाना के सुव्यवस्थित रख-रखाव के निर्देश दिए। साथ ही गैंगस्टर व गोकशी से जुड़े अभियुक्तों के सत्यापन, लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण और एनबीडब्ल्यू मामलों में गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा। अपर पुलिस अधीक्षक ने जनशिकायतों के समयबद्ध व निष्पक्ष निस्तारण, प्रभावी जनसुनवाई और आमजन से बेहतर संवाद बनाए रखने पर जोर दिया। पुलिस कर्मियों को अनुशासन में रहते हुए शालीन व्यवहार अपनाने के निर्देश भी दिए गए।

श्री राम कृष्ण कन्या इंटर कॉलेज किसौली की छात्र-ाओं ने यूपी बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा घोषित इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के परिणामों में विकासखंड क्षेत्र अगौता के ग्राम किसौली स्थित श्री राम कृष्ण कन्या इंटर कॉलेज, किसौली की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस वर्ष विद्यालय का कुल परीक्षा परिणाम 89% रहा, जो उत्कृष्ट सफलता का प्रतीक है। विद्यालय की मेधावी छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन से शीर्ष स्थान प्राप्त किए। प्रथम स्थान पर नैन्सी पुत्री श्री चंचल कुमार ने 80.4% अंक प्राप्त किए।

द्वितीय स्थान पर वैशाली चौहान पुत्री श्री तरुण कुमार ने 74.6% अंक हासिल किए,तृतीय स्थान पर तनु शर्मा पुत्री श्री सुबोध शर्मा ने 73.2% अंक प्राप्त किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. हरेन्द्र सिंह ने सभी सफल छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्राओं की कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि छात्राएं भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगी।

साथ ही उन्होंने उन छात्राओं का उत्साहवर्धन किया जो इस बार अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं कर सकीं, और उन्हें आत्म-सुधार तथा निरंतर प्रयास के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ ने भी सभी सफल छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

लुधियाना में ड्राइविंग टेस्ट देने वालों को झटका, ट्रैक पर नई मुसीबत

लुधियाना : सैक्टर-32 स्थित ड्राइविंग टैस्ट ट्रैक पर उगी घास इन दिनों आवेदकों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। ड्राइविंग लाइसैंस के लिए टैस्ट देने आने वाले कई उम्मीदवारों का कहना है कि ट्रैक की खराब स्थिति के चलते उन्हें अनावश्यक रूप से असफल होना पड़ रहा है। खासतौर पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों के टैस्ट के दौरान संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि ट्रैक के कई हिस्सों में घास इतनी ज्यादा बढ़ चुकी है कि सही रास्ता स्पष्ट नहीं दिखता। आवेदकों के मुताबिक, ड्राइविंग टैस्ट एक तकनीकी प्रक्रिया होती है, जिसमें सटीकता और नियंत्रण बेहद जरूरी होता है। लेकिन जब ट्रैक ही साफ न हो, तो उम्मीदवार अपनी पूरी क्षमता नहीं दिखा पाते। कई उम्मीदवारों ने बताया कि वे टैस्ट की पूरी तैयारी करके आते हैं, लेकिन घास के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ जाता है या निर्धारित लाइन का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे वे फेल हो जाते हैं। इससे न केवल उनका समय खराब होता है, बल्कि दोबारा फीस भरने और नई तारीख लेने की परेशानी भी झेलनी पड़ती है। कुछ उम्मीदवारों ने यह भी आरोप लगाया कि लंबे समय से ट्रैक की सही तरीके से देखरेख नहीं की जा रही है। नियमित सफाई और रखरखाव की कमी के कारण यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। कई लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ड्राइविंग टैस्ट जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया के लिए ट्रैक को पूरी तरह मानकों के अनुरूप रखा जाए, ताकि किसी भी आवेदक के साथ अन्याय न हो। वहीं, ट्रैक इंचार्ज मोहम्मद शबीर ने भी इस समस्या पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि ट्रैक की स्थिति को सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सफाई कार्य के लिए संबंधित टीम को निर्देश दे दिए गए हैं और जल्द ही ट्रैक से घास हटाकर उसे पूरी तरह व्यवस्थित किया जाएगा। जल्द होगी सफाईः ए.आर.टी.ओ. इस मामले में जब ए.आर.टी.ओ. दीपक ठाकुर से बात की गई, तो उन्होंने स्वीकार किया कि ट्रैक पर घास उगने की समस्या उनके ध्यान में आई है। उन्होंने कहा कि विभाग इस मुद्दे को गंभीरता से ले रहा है और जल्द ही ट्रैक की सफाई करवा दी जाएगी। फिलहाल, आवेदकों को उम्मीद है कि प्रशासन अपने वादे के अनुसार जल्द कार्रवाई करेगा, ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानी से राहत मिल सके और ड्राइविंग टैस्ट प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष तरीके से पूरी हो सके।

वेब सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' नहीं होगी रिलीज, भारत सरकार ने लगाई रोक

पंजाब डेस्कः विवादित डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' को लेकर नई अपटेड सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, भारत सरकार ने विवादित डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' की रिलीज पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। यह डॉक्यूमेंट्री सीरीज 27 अप्रैल को OTT प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के लिए तैयार थी, लेकिन सरकार के इस फैसले के बाद अब यह रिलीज नहीं होगी। मिली जानकारी के अनुसार, पंजाब पुलिस ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर इस सीरीज पर बैन लगाने की मांग की थी, जिसमें कहा गया था कि अगर यह सीरीज रिलीज होती है तो पंजाब का माहौल खराब हो सकता है। पुलिस के साथ-साथ दिवंगत सिंगर सिद्धू मूसेवाला के परिवार ने भी इस डॉक्यूमेंट्री पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया था। इसके अलावा पंजाब कांग्रेस प्रेसिडेंट राजा वड़िंग ने भी इस सीरीज पर बैन लगाने की मांग की थी और इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में एक पिटीशन भी फाइल की गई थी। हाईकोर्ट ने अब राजा वड़िंग की पिटीशन का निपटारा कर दिया है जानकारी वड़िंग के वकील निखिल घई ने दी है। भारत सरकार के इस कदम को सुरक्षा और लोगों की भावनाओं को देखते हुए अहम माना जा रहा है। वहीं, लॉरेंस के परिवार ने भी इसका विरोध किया था। उन्होंने इस सीरीज के कंटेंट, इसके प्रोडक्शन प्रोसेस और इसकी रिलीज की टाइमिंग पर सवाल उठाए थे। परिवार का कहना था कि यह सीरीज न सिर्फ तथ्यों से परे है बल्कि न्याय व्यवस्था और पंजाब के कल्चर का भी अपमान करती है। वेब सीरीज के लिए परिवार या सरकार से परमिशन नहीं ली गई थी। लॉरेंस के चाचा रमेश ने कहा कि इस मामले में फिल्म के प्रोड्यूसर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कहा जा रहा है कि, वेब सीरिज में जैसे लॉरेंस गैंग को एक बड़ा गैंगस्टर और फिरौती सिंडिकेटके मास्टरमाइंड के रूप में पेश किया गया है वह सही नहीं है बल्कि एकतरफा भ्रामक है। आपको बता दें कि, गैंगस्टर लॉरेंस गैंग ने 2022 में सिद्धू मूसेवाले हत्याकांड, एनसीपी विधायक बाबा सिद्दीकी हत्याकांड और 2023 में करणी सेना के नेता सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी ली है।

भाजपा में शामिल हुए आप के बड़े चेहरे, राघव चड्ढा समेत कई सांसदों ने बदला पाला

पंजाब : देश की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, जहां Raghav Chadhaसमेत आम आदमी पार्टी (AAP) के कई सांसदों ने पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (BJP) का दामन थाम लिया। इस घटनाक्रम को AAP के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, कुछ ही समय पहले Raghav Chadha, Sandeep Pathak, Ashok Mittal सहित कुल 7 सांसदों ने AAP से इस्तीफा देने का ऐलान किया है। इस्तीफे के तुरंत बाद इन नेताओं ने BJP ज्वाइन कर ली। भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाजपा अध्यक्ष Nitin Naveen ने सभी नेताओं का पार्टी में स्वागत किया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता Tarun Chugh भी मौजूद रहे। सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल Raghav Chadha, Sandeep Pathak और Ashok Mittal की औपचारिक ज्वाइनिंग पूरी हो चुकी है, जबकि बाकी सांसदों की प्रक्रिया अभी जारी बताई जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम आने वाले चुनावों से पहले राजनीतिक समीकरणों को बदल सकता है। AAP के लिए यह एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि पार्टी के प्रमुख और सक्रिय नेताओं का एक साथ इस्तीफा देना संगठनात्मक मजबूती पर सवाल खड़े करता है।

वहीं, BJP के लिए इसे एक बड़ी रणनीतिक सफलता के तौर पर देखा जा रहा है, जिससे पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूती मिलने की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम पर AAP की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है, जबकि राजनीतिक गलियारों में इस कदम को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं।

18 महीने बाद 400 फुट ऊंचे टावर से उतरे गुरजीत सिंह खालसा, संगत ने लगाए जयकारे

समाना : पिछले 18 महीनों से बेअदबी के मामलों में सख्त कानून की मांग को लेकर 400 फुट ऊंचे टावर पर बैठे गुरजीत सिंह खालसा को जिला प्रशासन ने सेना और फायर सेफ्टी टीम की मदद से सफलतापूर्वक नीचे उतार लिया है। नीचे उतारने के बाद उनका मेडिकल चेकअप कराया गया, जिसमें वे पूरी तरह स्वस्थ पाए गए। इस दौरान मोर्चा स्थल पर स्थापित श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के श्री अखंड पाठ का भोग भी आज डाला गया। साथ ही पंथक विचारों को लेकर मंच से कार्यक्रम जारी है, जो शाम 4 बजे तक चलेगा। गुरजीत सिंह खालसा के सुरक्षित नीचे उतरने पर वहां मौजूद संगतों ने जयकारों के साथ खुशी जाहिर की।

भीषण गर्मी के बीच राहत, शुक्रवार को पंजाब में स्कूल-कॉलेज रहेंगे बंद

पंजाब : भीषण गर्मी के कहर के बीच पंजाब के बच्चों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। दरअसल, राज्य में 1 मई (शुक्रवार) को सरकारी छुट्टी घोषित की गई है, जिसके चलते राज्यभर के स्कूल, कॉलेज और सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे। दरअसल, 1 मई को ह्यमई दिवसह्न के रूप में सरकारी कैलेंडर में अवकाश घोषित किया गया है। ऐसे में छात्रों और कर्मचारियों को इस दिन गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। राज्य में हीट वेव को लेकर अलर्ट

वहीं आपको बता दें कि उत्तर भारत में लगातार बढ़ती गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। पंजाब में भी तापमान तेजी से ऊपर जा रहा है और मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए हीट वेव को लेकर अलर्ट जारी किया है।

विभाग के अनुसार अगले हफ्ते से गर्मी और ज्यादा तीव्र हो सकती है, जिससे खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों पर असर पड़ने की आशंका है। ऐसे में लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी गई है।

परिचय

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022 तक देश के किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। खाद्य के मूल्यों में अत्यधिक उतार - चढ़ाव, मौसमी और कम समय के लिए मूल्य वृद्धि और अनियमित मानसून को देखते हुए कृषि क्षेत्र में शामिल सभी हितधारकों के लिए एह एक कठिन चुनौती है। इसके बावजूद किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को अवश्य हासिल किया जा सकता है। खेत उत्पादकता में सुधार लाने, खेती की लागत को कम करने, अखिल भारतीय स्तर पर बाजार पहुँच को सुनिश्चित करने आदि की दिशा में सामूहिक प्रयास से इस लक्ष्य की प्राप्ति में काफी आसानी हो सकती है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। की इस लक्ष्य को हासिल करने में कंदीय फसलों की मुख्य भूमिका होगी।

कंदीय फसलों से भरपूर आमदनी

बागवानी से भरपूर आय

बागवानी क्षेत्रों में किसानों की आय को बढ़ाने की भरपूर क्षमता है। इसलिए पारंपरिक अनाजीय फसलों से उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की ओर बदलाव करने से से भारत में किसानों की आय को दोगुनी करने की दिशा में व्यापक पैमाने पर योगदान किया जा सकेगा। बागवानी फसलों में भी विशेषत~कंदीय फसलें इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनमें अभूतपूर्व उच्च प्रति इकाई उत्पादकता पाई जाती है। हालाँकि एक सम्यक रीति में किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उत्पादन क्लस्टरों को इनपुट के साथ - साथ उपभोक्ता बाजारों से अच्छी तरह से जोड़ने की जरूरत है यह संदेह से परे है कि कृषि इनपुट और उत्पादन से जुड़े सूक्ष्म - लघु - छोटे तथा माध्यम स्तरीय उद्यमों की स्थापना से ग्रामीण भारत की आजीविका सुरक्षा में प्रभावी तरीके से सुधार किया जा सकता है। कंदीय फसलें ग्राम स्तर पर ही ऐसे उद्यमों को स्थापित करने के भरपूर अवसर प्रदान करती हैं। कंदीय फसल अनुसंधान पर कहीं अधिक ध्यान देने की जरूरत है, जिसमें शामिल है~ गैर- पारंपरिक क्षेत्रों में इनकी खेती का विस्तार करना, कंदीय फसलों की पोषणिक एवं खाद्य सुरक्षा भूमिका का पूर्वानुमान करना, मूल्यवर्धित खाद्य, आहार एवं औद्योगिक उत्पादों का विकास करके उपयोगिता संभावनाओं को बढ़ाना, अमंग आकलन रण नीतियाँ विकसित करना, नये बाजार विकल्पों की तलाश करना, औषधीय प्रभावों वाले हर्बल उत्पादों, जैव कीटनाशकों, प्राकृतिक खाद्य रंगों का विकास करना जैसे अल्प दोहित क्षेत्रों की खोज करना आदि। प्रौद्योगिकीय प्रगति का प्रभावी तरीके सेड प्रदर्शन और प्रसार करने. उत्पादकता में और सुधार करने और ग्रामीण जनसंख्या तक लाभ पहुँचाने के लिए इन फसलों की उपयोगिता संभावनाओं का खुलासा करने में काफी मदद मिल सकती है।

कंदीय फसलों में मूल्यवर्धन

उष्णकटिबंधीय कंदीय फसलों में न केवल खाद्य फसलों के रूप में महत्ता हासिल की है वरन इनकी आहार और कृषि आधारित उद्योगों में भी व्यापक संभावनाएं हैं। खाने - पीने की आदतों में तेजी से हो रह बदलाव और प्रति व्यक्ति आमदनी में अनुमानित बढ़ोतरी के साथ शहरी क्षेत्रों की ओर बढ़ते देशांतर से अगले 30 - 40 वर्षों में प्रसंस्करित और रेडी टू ईट (खाने के लिए तुरंत तैयार) सुविधाजनक खाद्य में बढ़ोतरी होने का अनुमान है। उस परिदृश्य में कंदीय फसलों से रोग - निरोधी और चिकित्सीय कार्यशील खाद्य विकसित करने की व्यापक संभावना विद्यमान है।

आलू, कसावा, शकरकंद, जिमीकंद, कचालू, टेनिया, याम (रतालू), याम बीन, अरारोट आदि जैसी कंदीय फसलें स्टार्चयुक्त भंडारण अवयव के रूप में संशोधित जड़ अथवा तने के साथ पौधों का एक समूह बनाती हैं। इनमें कहीं अधिक जड़ें, घनकंद, राइजोम्स होते है और इनके कंदों की खुदाई आमतौर पर जमीन से नीचे की जाती है। ये फसलें अनाज एवं दाना फसलों के उपरांत तीसरी सर्वाधिक महत्वपूर्ण खाद्य फसलें हैं और प्रति इकाई समय में प्रति इकाई क्षेत्रफल में उच्च शुष्क सामग्री उत्पादन के साथ खाद्य उत्पादक रूप में अपनी जैविक प्रभावशीलता के आधार पर ये फसलें अनूठी हैं। ऊर्जा उत्पादन में आलू सबसे आगे (216 मेगाजूल/हे./दिन) एवं इसके बाद क्रमशः रतालू (181 मेगाजूल/हे./दिन), शकरकंद (152 मेगाजूल/हे./दिन), तथा कसावा (121 मेगाजूल/हे./दिन) का स्थान है। कंदीय फसलें विश्व की 1/5 आबादी के लिए मुख्य अथवा सहायक खाद्य के तौर पर उष्णकटिबंधीय तथा अर्द्ध उष्णकटिबंधीय देशों में लाखों लोगों की

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

उपयोगी प्रौद्योगिकियां

ऐसे किसान जो आलू और अन्य कंदीय फसलों की खेती करते हैं, वे उपयुक्त फसल किस्म, आधुनिक उत्पादन एवं संरक्षण तकनीकें अथवा बचाव प्रौद्योगिकियों को अपनाकर अपनी फार्म आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। भाकृअनुप - केंद्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम जैसे शोध संस्थानों द्वारा आलू और अन्य कंदीय फसलों की अधिक पैदवार देने वाली अनेक किस्में और प्रौद्योगिकियां विकसित की गई है। कुछ प्रौद्योगिकियां राज्य कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा भी विकसित की गई हैं और वे किसानों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। इन प्रौद्योगिकियों की पहुँच अभी बहुत सीमित हैं। इन्हें किसान समुदाय के बीच लोकप्रिय बनाये जाने की जरूरत है ताकि कंदीय फसलों में वर्तमान पैदावार अंतराल को कम किया जा सके। आलू और अन्य कंदीय फसलों की उत्पदकता को बढ़ाने के लिए यहाँ प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों पर जानकारी देने का प्रयास किया गया है।

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री

अधिकांश कंदीय फसलों को तने के टूकड़ों अथवा कंद का उपयोग करके शाकीय रूप से प्रवर्धित किया जाता है। इसलिए बीज की गुणवत्ता को बनाये रखना विशेषकर इसे वायरस तथा अन्य रोगजनकों से मुक्त रखना बहुत आवश्यक होता है। भारत में आलू उत्पादकों के समक्ष गुणवत्ता आलू बीज की उपलब्धता अभी भी एक प्रमुख समस्या है। इसीलिए यह जरूरी है कि किसानों को सस्ते दामों पर अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की आपूर्ति की जाये। किसान स्वयं भी भाकृअनुप - केंद्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा विकसित की गई बीज प्लाट तकनीक का उपयोग आलू बीज उगा सकते हैं। यह प्रौद्योगिकी पिछले 50 वर्षों से भारत में आलू के उत्पादन और उत्पादकता क्षेत्र में उल्लेखनीय बढ़ोतरी में मुख्य भोमिका निभा रही है। वायरस की पहचान करने वाली उन्नत तकनीकों, पौध बचाव उपायों और सस्यविज्ञान रीतियों के साथ बीज प्लाट तकनीक का एकीकरण करने से भारत में प्रजनक बीज उत्पादन कार्यक्रम की मजबूत बुनियाद रखने को बढ़ावा मिला है। हाल ही में हाइटेक बीज उत्पादन प्रौद्योगिकियां जैसे कि ऊतक संवर्धन से तैयार लघु कंद के साथ - साथ ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी द्वारा तैयार लघु कंद का विकास किया गया हैझ इन्हें गुणवत्तायुक्त आलू बीज के उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी के अंतर्गत, आलू पौधों को एक बंद अथवा संरक्षित वातावरण में उगाया जाता है और मृदा अथवा किसी अन्य समुच्य मीडियम का उपयोग किये बिना पोषण से भरपूर घोल का साथ समय - समय पर जड़ों पर छिड़काव किया जाता है। इसमें उच्च गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री का तेजी से गुणन होता है, जिसमें प्रति ऊतक संवर्धन पादप 35 - 60 लघुकंद उत्पन्न होते हैं। इसमें अनेक मृदा जनित रोगजनकों के आलू कंदों के साथ सम्पर्क में कमी आती है। इसके अलावा इसे ऑपरेट करना भी आसान होता है। इस प्रणाली को गौरवायविय तथा पानी की कमी वाले इलाकों में स्थापित किया जा सकता है। यह प्रौद्योगिकी अत्यधिक लागत प्रभावी है, जिसमें 10 लाख कंदों के उत्पादन के लिए 100 लाख रूपये का निवेश करने की जरूरत होती है और कोई भी उद्यमी इससे प्रति वर्ष 52 लाख रूपये तक कमा सकता है। अत~ ऊतक संवर्धन और ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत में पारंपरिक बीज उत्पादन प्रणाली में क्रन्तिकारी बदलाव लाने की क्षमता है। भाकृअनुप - केंद्रीय कंदीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम द्वारा मानकीकृत मिनी सेट प्रौद्योगिकी को अपना कर उष्णकटिबंधीय कंदीय फसलों में भी वायरसमुक्त गुणवत्ता रोपण सामग्री को विकसित किया जा सकता है।

अनाज फसलों की तुलना में कंदीय फसलों से अधिक लाभ

चावल, गेंहू और मक्का जैसे पारंपरिक अनाज फसलों की तुलना में फल व सब्जियों जैसे बागवानी फसलें कहीं अधिक लाभ प्रदान करती हैं। उच्च मूल्य वाली फसलों और उद्यमों की दिशा में कृषि गतिविधियों का विविधीकरण करना किसानों की आय को बढ़ाने में एक प्रमुख चालक बन सकता है। भारत के तीन मुख्य राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार के लिए चावल व गेहूं जैसे अनाज फसलों और प्रमुख कंदीय फसल आलू में खेत की लागत और शुद्ध आय के तुलनात्मक अध्ययन को सरणी - 1 में दर्शाया गया है। यह देखा जा सकता है कि सभी चयनित राज्यों के लिए आलू की खेती की लागत चावल और गेहूं से कहीं ज्यादा है, जो कि पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा रूपये 1,08,860,30 प्रति हे. है। उत्तर प्रदेश में आलू से मिलने वाली प्रति हे. शुद्ध आय चावल और के मुकाबले दोगुनी से भी ज्यादा है। पश्चिम बंगाल में आलू से मिलने वाली प्रति हे. शुद्ध आय रूपये 36,519,70 है, जो कि चावल तथा गेहूं की तुलना में लगभग तीन गुना है। बिहार में गेहूं (प्रति हे. रूपये 26,835,70) के मुकाबले आलू (प्रति हे. रूपये 32,787,00) में कहीं अधिक लाभ मिला। बिहार में किसानों के लिए धान की खेती आलू की ही तरह लाभप्रद नहीं है, क्योंकि इससे उन्हें प्रति हे. केवल रूपये 6,277,70 का कम लाभ ही मिल रहा है। अत~यह देखा जा सकता है कि पारंपरिक अनाज फसलों के मुकाबले आलू जैसी कंदीय फसल की खेती करके किसान कहीं अधिक लाभ कमा सकते हैं।

उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियां

भारत में कृषि केवल लाभ अर्जित करने वाला व्यवसाय नहीं है बल्कि यह 138 मिलियन से भी अधिक कृषिजोत पर काम करने वाले परिवारों के लिए परंपरा का हिस्सा है इनमें से 85 प्रतिशत परिवारों के पास 2 हे. से भी कम आकार वाली कृषिजोत हैं। इनमें से अधिकांश कृषिजोत का उपयोग बहु कृषि गतिविधियों यथा कृषि/बागवानी, पोल्ट्री एवं पशु पालन, मत्स्यिकी, मधुमक्खी पालन रेशमा पालन तथा वानिकी में किया जाता है। इन छोटी तथा सीमांत कृषिजोत में फसलचक्र सघनता बहुत अधिक होती है। यहाँ तक कि प्राय~यह 300 प्रतिशत तक भी पहुँच जाती है।

फायदे का सौदा आलू

भारतीय समाज में आलू सर्वाधिक प्रचलित सब्जी है। देश में सब्जियों के तहत कूल कृषि में यह 21 प्रतिशत क्षेत्र में बोई जाती है और कुल सब्जी उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 25.50 प्रतिशत है। चीन के बाद भारत आलू का सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात और पंजाब राज्यों को शामिल करते हुए भारत के गंगा के मैदानी इलाकों में देश के कुल आलू उत्पादन का 85 प्रतिशत से भी अधिक उत्पादन होता है। वर्ष 2014 - 15 में भारत में 23.1 टन/हे. की औसत उत्पादन हुआ। लगातार बढ़ रही जनसंख्या के साथ भविष्य में भारत में आलू की खपत कई गुना बढ़ने का अनुमान है।

जल बचत

आलू सहित किसी भी फसल की खेती के लिए सिंचाई जल इ=की म=कमी प्रमुख समस्या है। आधुनिक आलू किस्में जल की कमी वाली मृदाओं के प्रति संवेदनशील होती है और उनमें बार - बार उथली सिंचाई करने की जरूरत होती है। आमतौर पर पानी की कमी फसल की बढ़वार अवधि के मध्य से पिछेती भाग में भूस्तारी अथव स्टोलन गठन और कंद की शुरूआत तथा बल्किंग के दौरान होती है। इससे पैदावार में कमी होने की आशंका रहती है। अगेती फसलें शाकीय वृद्धि के दौरान कम संवेदनशील होती हैं। फसल पकने वाले अवधि की ओर उच्चतर रिक्तिकरण को अपनाकर भी जल की बचत की जा सकती है ताकि फसल द्वारा अपने जड़ क्षेत्र में भंडारित उपलब्ध पूरे जल का उपयोग किया जा सके। इस क्रियाविधि अथवा रीति से परिपक्वता को भी जल्दी किया जा सकता है और शुष्क पदार्थ सामग्री को बढ़ाया जा सकता है। कुछ किस्में कंद बल्किंग के अगेती भाग में सिंचाई के प्रति कहीं बेहतर प्रतिक्रिया देती हैं, जबकि अन्य बाद वाले हिस्से में कहीं बेहतर प्रतिक्रिया को दर्शाती हैं। कम कंदों वाली किस्में आमतौर पर अनके कंदों वाली किस्में आमतौर पर अनेक कंदों वाली किस्मों की तुलना में जल की कमी के प्रति कम संवेदनशील होती हैं। सिंचाई के लिए सही समय का चयन करके और पौधा वृद्धि चक्र की विशिष्ट अवस्था में जल प्रयोग की उपयुक्त गहराई का प्रयोग करके आलू की फसल में जल की जरूरत को किफायती बनाया जा सकता है। अब जलमग्न अथवा बाढ़ जैसे सिंचाई की तुलना में ड्रिप एवं स्प्रिकलर विधियों के माध्यम से सटीक रूप से सिंचाई करने के लिए प्रौद्योगिकियां मौजूद हैं, जो न केवल पानी की बचत करती हैं वरन साथ ही उत्पादकता को भी बढाती हैं।

उन्नत फसलोत्तर प्रबंधन

खुदाई अथवा तुड़ाई करने के उपरांत, छिलकों के उपचार हेतु कंदों को 10 - 15 दिनों तक ढेर में रखा जाना चाहिए। यह जरूरी है की सभी क्षतिग्रस्त और सड़े हुए कंदों को हटा दिया अच्छा लाभ कमाने के लिए उत्पाद अर्थात कंदों की छटाई की जाये और उन्हें ग्रेडिंग के अनुसार जूट के थैलों में पैक किया जाए। किसान अधिक लाभ कम सकते है यदि अपने आलू को शीत भंडार में भंडारित किया जा सकता है। इस प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए भंडारित किये गये आलू स्वाद में मीठे नहीं होंगे और इस प्रकार इनसे कहीं अधिक मूला हासिल किये जा सकता है। यह ध्यान दिया जाये कि बीज आलू को केवल 0 - 20 सेल्सियस तापमान पर ही भंडारित किया जाये। चिप्स, फ्रेंच फ्रेंचाइज, लच्छा आदि जैसे निर्जलीकृत आलू उत्पादों को तैयार करके आलू में मूल्यवर्धन करने से भी किसानों को आकर्षक लाभ मिल सकता है। भाकृअनुप - केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में घरेलू स्तर पर मूल्य वर्धन करने की प्रौद्योगिकियां उपलब्ध हैं।

गर्मी के मौसम के लिए मुनमुन दत्ता ने साझा किए देसी ड्रिंक

छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री मुनमुन दत्ता ने अपने समर मॉर्निंग रूटीन की एक झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। यह पोस्ट उनके फैंस को बेहद पसंद आ रही है। मुनमुन दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए यह बताया है कि वह अपनी सुबह की शुरुआत किस तरह से करती हैं ताकि गर्मियों में भी तरोताजा और स्वस्थ रह सकें। तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल में बबीता जी के किरदार से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली अभिनत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो और कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनके हेल्दी नाश्ते और पेय पदार्थों की स्पष्ट झलक देखने को मिल रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैंने सुबह के लिए एक ऐसी ड्रिंक तैयार की है, जो पेट की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है और शरीर को अंदर से मजबूत बनाती है। यह कैप्शन ही उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और आयुर्वेदिक सिद्धांतों में उनके विश्वास को दर्शाता है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मुनमुन दत्ता छाछ से एक विशेष पेय बना रही हैं, जिसे वह पेट की सेहत के लिए बेहद बेहतरीन ड्रिंक मानती हैं। इसे तैयार करते समय उन्होंने उसमें बारीक कटा हुआ प्याज, ताजा हरा धनिया और अन्य कई स्वास्थ्यवर्धक चीजों को मिलाया, जिससे इसका स्वाद और पौष्टिकता दोनों बढ़ जाती है। छाछ, जिसे दही से बनाया जाता है, पारंपरिक रूप से गर्मियों में शरीर को ठंडक देने और पाचन को सुधारने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसके अलावा, मुनमुन ने एक और तस्वीर के माध्यम से एक और खास देसी ड्रिंक के बारे में जानकारी दी, जिसे रागी अंबली कहा जाता है। उन्होंने कैप्शन में बताया, यह देसी पेय पाचन को बेहतर बनाता है। साथ ही, यह गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने का भी काम करता है। यह शरीर को हल्का महसूस कराता है और ऊर्जा का स्तर बनाए रखता है। रागी अंबली, जो रागी के आटे से बनता है, दक्षिण भारत में एक लोकप्रिय और पौष्टिक पेय है, जो फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होता है। मुनमुन दत्ता अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर व्यायाम, योग और स्वस्थ खानपान से जुड़े वीडियो और तस्वीरें साझा करती रहती हैं। उनका दृढ़ता से मानना है कि फिट और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम के साथ-साथ सही और संतुलित खानपान भी उतना ही आवश्यक है।

समीरा रेड्डी का आखिरी सवाल से कमबैक

संजय दत्त की आगामी फिल्म 'आखिरी सवाल' इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है, जिसकी दर्शक बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर इसका टीजर जारी किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के इतिहास की एक ऐसी झलक दिखाई गई है, जिसे पहले कभी इस अंदाज में नहीं देखा गया था। यह टीजर दर्शकों के बीच गहरी उत्सुकता जगा रहा है और उन्हें एक नई कहानी से जोड़ने का वादा करता है। इस फिल्म के जरिए लंबे अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने अपने किरदार और फिल्म के चुनाव को अपने करियर का सबसे बड़ा और निडर फैसला बताया है। उन्होंने कहा, मैंने फिल्मों में वापसी सिर्फ सुरक्षित भूमिकाएं निभाने के लिए नहीं की है, और 'आखिरी सवाल' बिल्कुल भी आसान फिल्म नहीं है। समीरा ने आगे बताया, आरएसएस को लेकर मेरी समझ पहले सीमित थी, लेकिन जब मैंने इसकी स्क्रिप्ट पढ़ी तो महसूस हुआ कि कई बातें वैसी नहीं हैं जैसी दिखती हैं।

एक समय खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं मालविका

हाल ही में साउथ की मशहूर अभिनेत्री मालविका मोहनन ने बताया कि एक वक्त ऐसा आया था, जब वह अंदर से पूरी तरह टूट गई थीं। अभिनेत्री ने अपने फैंस के साथ दिल की बात साझा की। मालविका ने खुलासा किया कि परिवार और अपने करीबियों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। यह खुलासा मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ आयोजित किए गए आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान किया। इस सत्र के दौरान एक प्रशंसक ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने बेहद ईमानदारी से अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया, पिछले महीने में काम के सिलसिले में चेन्नई में थी। मुझे वहां काफी लंबे समय तक रुकना पड़ा। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी सुचारु रूप से चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने के कारण मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थी। मालविका ने अपनी भावनाओं को विस्तार से बताते हुए कहा, दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद, जब मैं रात को अपने होटल के कमरे में लौटती थी, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यह बात मुझे अंदर ही अंदर परेशान करने लगी थी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी और लगातार अकेले रहने का गहरा असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसकी वजह से मुझे रोना आता था।

उनका यह अनुभव दिखाता है कि किस तरह बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के सितारों को भी आम इंसानों की तरह भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, भले ही उनकी जिंदगी बाहर से कितनी भी चकाचौंध भरी क्यों न लगे। अपने निजी अनुभवों को साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोफेशनल प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की, जो उनके जीवन में आगे बढ़ने का एक संकेत है। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन प्रतिभाशाली त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं, जिनकी तारीफ करते हुए मालविका ने कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने यह भी बताया कि इस फिल्म का नाम पॉकेट नॉवेल है और यह इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव रहा है।

आमिर ने नए दौर के स्टार्स की आदतों पर जताई नाराजगी

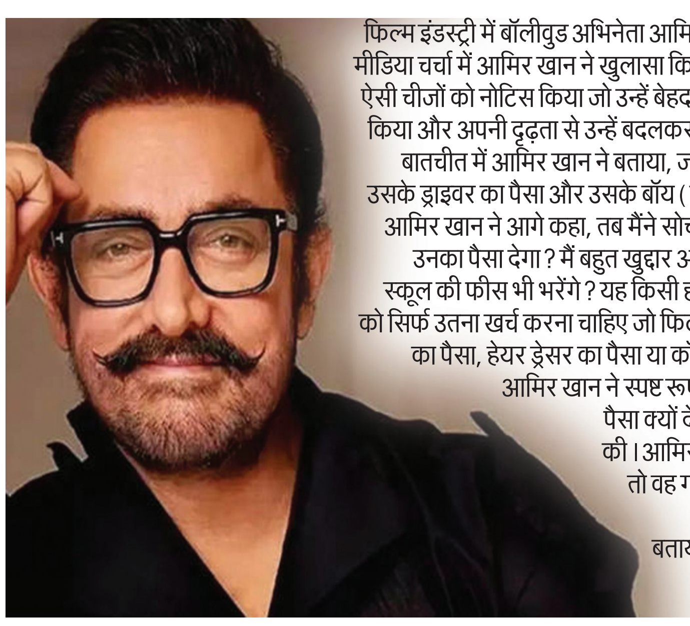

फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने कुछ चीजों को अपनी दूरदर्शिता और सिद्धांतों के दम पर बदला है। मीडिया चर्चा में आमिर खान ने खुलासा किया था कि जब वह नए-नए भारतीय सिनेमा जगत में आए थे, तो उन्होंने कुछ ऐसी चीजों को नोटिस किया जो उन्हें बेहद अजीब और अनुचित लगीं। आमिर खान ने इन चीजों को बदलने का फैसला किया और अपनी दृढ़ता से उन्हें बदलकर ही दम लिया, जिससे बॉलीवुड में एक नया मानक स्थापित हुआ। मीडिया से बातचीत में आमिर खान ने बताया, जब मैं इंडस्ट्री में आया था, तब एक सिस्टम था कि जब कोई स्टार आता है, तो उसके ड्राइवर का पैसा और उसके बॉय (पर्सनल असिस्टेंट) का पैसा प्रोड्यूसर देता है। इस प्रथा पर सवाल उठाते हुए आमिर खान ने आगे कहा, तब मैंने सोचा कि यार, बॉय और ड्राइवर तो मेरे लिए काम करते हैं ना। तो प्रोड्यूसर क्यों उनका पैसा देगा? मैं बहुत खुद्दार आदमी हूं, मुझे नहीं चाहिए कि आप मेरे पैसे दें। कल को क्या आप मेरे बच्चे के स्कूल की फीस भी भरेंगे? यह किसी हद पर जाकर तो रुकना चाहिए ना। आमिर खान का मानना था कि प्रोड्यूसर को सिर्फ उतना खर्च करना चाहिए जो फिल्म के निर्माण पर आधारित है। उन्होंने सुझाया कि प्रोड्यूसर को मेकअप मैन का पैसा, हेयर ड्रेसर का पैसा या कॉस्ट्यूम वाले का पैसा देना चाहिए, क्योंकि ये सब सीधे फिल्म से जुड़े होते हैं। आमिर खान ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें यह पसंद नहीं था कि प्रोड्यूसर उनके बॉय और ड्राइवर का पैसा क्यों देंगे। उन्होंने नए दौर के स्टार्स की कुछ आदतों पर अपनी नाराजगी भी जाहिर की। आमिर खान ने कहा, जब आप एक हद से ज्यादा प्रोड्यूसर को तंग करने लगते हो, तो वह गलत है। जब मैं सुनता हूं कि आपकी जरूरतों और फरमाइशों की लिस्ट जब बहुत लंबी होती चली जाती है, तो मुझे बहुत तकलीफ होती है। सुपरस्टार ने बताया कि उनके बॉय और ड्राइवर उनके लिए काम करते हैं और इसलिए वह उन्हें खुद पैसा देंगे।

मेरे लिए दोस्त ही सबसे बड़ी ताकत और खुशी है: मनीषा कोइराला

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला आज भी भारतीय सिनेमा और अन्य मंचों पर सक्रिय हैं। दिल से, मन और गुप्त जैसी कई फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री को हाल ही में संजय लीला भंसाली की भव्य पीरियड ड्रामा हीरामंडी-द डायमंड बाजार में देखा गया। मनीषा कोइराला अक्सर कला और संस्कृति से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करती रही हैं। हाल ही में उन्होंने नेपाल के एक प्रतिष्ठित म्यूजियम का दौरा किया, जहां उन्होंने अपने देश नेपाल की समृद्ध संस्कृति और अद्भुत कला से रूबरू होने का अवसर पाया। मनीषा कोइराला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें वह अपने दोस्तों के साथ खुशी के पल बिताती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि उनके लिए उनके दोस्त ही सबसे बड़ी ताकत और खुशी की कुंजी हैं। इस व्यक्तिगत पोस्ट के अलावा, अभिनेत्री ने नेपाल म्यूजियम की कुछ अद्भुत तस्वीरें भी साझा की हैं, जिनमें बौद्ध और हिंदू धर्म की कलात्मक झलक एक साथ देखने को मिल रही है। इन तस्वीरों में एक तरफ भगवान शिव के नटराज अवतार की भव्य पेंटिंग दिखाई देती है, तो दूसरी तरफ बौद्ध संस्कृति को दर्शाती शांतिपूर्ण और गहन कलाकृतियां हैं। एक पेंटिंग में अलग-अलग भाषाओं में कई प्राचीन मंत्र लिखे हुए हैं, जबकि कुछ पेंटिंग मां काली के रौद्र और शक्तिशाली रूप को अत्यंत कलात्मक ढंग से प्रदर्शित करती हैं। इन प्यारी और कलात्मक तस्वीरों को साझा करते हुए मनीषा ने लिखा, मुझे कुछ अद्भुत कलाकारों और मेरे दोस्तों का काम नेपाली कला संग्रहालय में देखने का मौका मिला। थंका और पौभा, जो समृद्ध नेवारी कला परंपराओं के प्रतीक हैं, उनके प्रति मेरा प्रेम समय के साथ और गहरा होता जा रहा है। हर कलाकृति में ऐसी भक्ति, इतिहास और आत्मा समाई हुई है। इसे देखना और इसके बारे में सीखना सचमुच एक विशेष और प्रेरणादायक अनुभव था। अभिनेत्री ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि संग्रहालय में प्रदर्शित हर कलाकृति को इतने प्यार और बारीकी से तैयार किया गया था कि वे बिल्कुल जीवंत लगती थीं। उन्होंने महसूस किया कि हर प्रतिमा और पेंटिंग से कुछ न कुछ नया सीखने को मिल रहा है, जो उनके मन को शांति और प्रेरणा प्रदान कर रहा था। मनीषा ने इस बात का भी खुलासा किया कि उनकी भाभी भी काफी सालों से नेपाल में रहकर एक आर्ट एकेडमी चला रही हैं। उन्होंने कहा कि, किसी भी विदेशी महिला के लिए इस तरह की संस्था को बिल्कुल शुरुआत से शुरू करना आसान नहीं होता, लेकिन उनकी भाभी ने अपनी लगन और मेहनत से इसे संभव कर दिखाया है। मनीषा ने गर्व से बताया कि आज उनकी भाभी की दृढ़ता और परिश्रम की बदौलत ही इस संस्था ने कला जगत में एक मजबूत और सम्मानित नाम कमाया है, जो नेपाल की कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा

मशहूर फिल्ममेकर इम्तियाज अली अपनी आगामी रोमांटिक पीरियड ड्रामा मैं वापस आऊंगा को जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में हैं। यह फिल्म 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की हृदय विदारक पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें प्यार, यादें और घर वापसी की एक मार्मिक कहानी को खूबसूरती से दिखाया जाएगा। हाल ही में, इम्तियाज अली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पटियाला में फिल्म की टीम के साथ एक खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद लेते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वे घर पर आराम से बैठे नजर आ रहे हैं, और उनके साथ अभिनेता वेदांग रैना, अभिनेत्री शरवरी सहित कई कलाकार मौजूद हैं। सभी लोग किसी मजेदार बातचीत में व्यस्त दिखाई दे रहे हैं, जिससे लगता है कि शूटिंग के दौरान का माहौल काफी खुशगवार और दोस्ताना रहा होगा। इम्तियाज अली ने अपनी इस पोस्ट के जरिए शूटिंग के उन यादगार पलों को फिर से ताजा किया, खासकर पटियाला के उस सुंदर सूर्यास्त को जो अब भी उनकी यादों में तरोताजा है। इस तस्वीर को साझा करते हुए इम्तियाज अली ने लिखा, शूटिंग की यादें, पटियाला में सुनहरे सूर्यास्त शरवरी और वेदांग रैना के साथ। फिल्म का नया गाना क्या कमाल है भी हाल ही में रिलीज हुआ है। मेकर्स ने दर्शकों में फिल्म के प्रति उत्सुकता जगाने के लिए पहले गाने का ऑडियो जारी किया था, और कुछ दिनों बाद ही इसका वीडियो भी रिलीज कर दिया। दर्शकों ने ऑडियो और वीडियो दोनों को ही बेहद पसंद किया है। इस गाने के जरिए निर्देशक इम्तियाज अली, संगीतकार एआर रहमान और गीतकार इरशाद कामिल की एक बार फिर से सफल तिकड़ी वापसी हुई है, जिन्होंने अतीत में कई यादगार गाने दिए हैं। इस खास गाने को दिलजीत दोसांझ ने अपनी भावपूर्ण आवाज दी है, जबकि इसका संगीत एआर रहमान ने तैयार किया है और इरशाद कामिल ने इसके दिल को छू लेने वाले बोल लिखे हैं। फिल्म मैं वापस आऊंगा में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, शरवरी और वेदांग रैना जैसे प्रतिभाशाली कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत एआर रहमान दे रहे हैं, जो इसकी भावनात्मक गहराई को और बढ़ाएगा। यह फिल्म विभाजन के दर्द और व्यक्तियों के बीच रिश्तों की गहराई को छूती हुई एक शक्तिशाली रोमांटिक कहानी पेश करेगी। इम्तियाज अली अपनी भावुक और यादगार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, और उम्मीद है कि यह फिल्म भी उनकी इसी पहचान को बरकरार रखेगी। यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

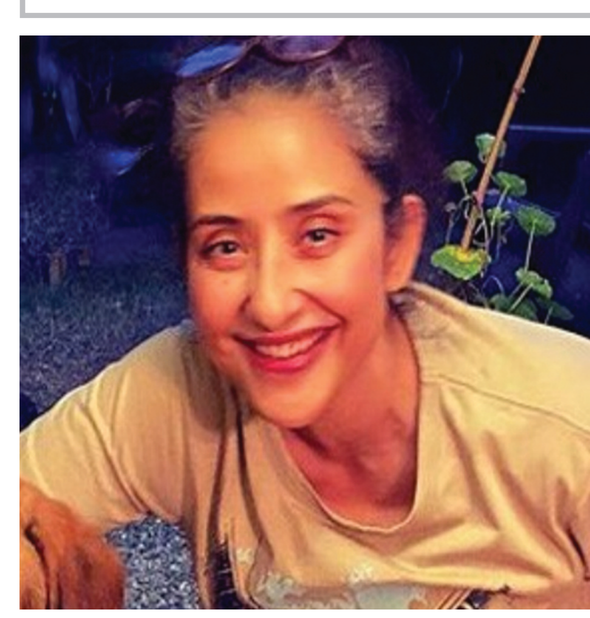

सुभाष घई ने की राजा शिवाजी की दिल खोलकर तारीफ

हाल ही में अपनी घोषणा के बाद से चर्चा में रही फिल्म राजा शिवाजी अब एक नए स्तर पर पहुंच गई है। अभिनेता-निर्देशक रितेश देशमुख के निर्देशन में बनी फिल्म राजा शिवाजी मराठा साम्राज्य के संस्थापक, छत्रपति शिवाजी महाराज के असाधारण जीवन पर आधारित है। फिल्म के ट्रेलर और पोस्टर सामने आने के बाद से ही दर्शकों में इसे लेकर अपार उत्साह देखा जा रहा है, और अब इस उत्साह को दिग्गज फिल्ममेकर सुभाष घई की प्रतिक्रिया ने और बढ़ा दिया है। फिल्म राजा शिवाजी का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा करते हुए, भारतीय सिनेमा के इस अनुभवी निर्माता-निर्देशक ने फिल्म की दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने फिल्म के ट्रेलर को बेहद दमदार बताते हुए भविष्यवाणी की कि यह दर्शकों को एक अनूठा और जादुई सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगी। अपने पोस्ट में सुभाष घई ने लिखा, सोचिए, जब ट्रेलर ही इतना रॉकिंग है, तो फिल्म कैसी होगी। थिएटर में फिल्म देखने का अनुभव और भी खास और जादुई होने वाला है।

यह फिल्म दर्शकों को एक अलग ही स्तर का सिनेमाई अनुभव देने वाली है। उनकी यह टिप्पणी फिल्म के प्रति बढ़ती उम्मीदों को और बल देती है, खासकर जब यह एक ऐसे मास्टर फिल्ममेकर से आई हो, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को कई कालजयी फिल्में दी हैं। सुभाष घई ने रितेश देशमुख के इस प्रोजेक्ट के प्रति जुनून और कड़ी मेहनत की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि रितेश ने न केवल अभिनय के मोर्चे पर बल्कि कहानी लेखन और निर्देशन के क्षेत्र में भी शानदार काम किया है। उनके अनुसार, फिल्म में देशभक्ति की भावना साफ नजर आती है, जो दर्शकों के दिलों को छू लेगी। घई ने विश्वास व्यक्त किया कि यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल होगी, बल्कि दर्शकों के बीच एक स्थायी छाप भी छोड़ेगी।

उन्होंने फिल्म में शामिल अन्य कलाकारों, विशेष रूप से संजय दत्त और अभिषेक बच्चन के योगदान को भी सराहा, यह मानते हुए कि इन अनुभवी सितारों ने रितेश के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे फिल्म की गुणवत्ता और प्रभाव कई गुना बढ़ गया है। राजा शिवाजी फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन के संघर्ष, साहस और असाधारण नेतृत्व को बड़े परदे पर उतारने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है। यह सिर्फ इतिहास की एक कहानी नहीं है, बल्कि प्रेरणा और देशभक्ति का एक गहरा संदेश भी देती है। फिल्म में रितेश देशमुख स्वयं मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जिनके साथ संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते और जेनेलिया देशमुख जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों का एक विशाल समूह है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।